राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 288 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरुवार ,22 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

हांफते अस्पताल, टूटती सांसें, देशभर में ऑक्सीजन की कमी

नासिक में ऑक्सीजन टैंकर लीक होने से रुकी सप्लाई 22 की मौत

नासिक/नई दिल्ली/भोपाल, (एजेंसी)। देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमित मरीजों से अस्पतालों में हालात भयावह हो गए हैं। चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई है। महाराष्ट्र के नासिक में बुधवार को सरकारी अस्पताल में बड़ा हादसा हो गया। नगर निगम के जाकिर हुसैन अस्पताल में ऑक्सीजन टैंक लीक हो गया। इसे रिपेयर करने में 30 मिनट का वक्त लगा और इतनी देर ऑक्सीजन सप्लाई रोक दी गई। इसके चलते 22 मरीजों की मौत हो गई और 35 की हालत अभी भी नाजुक है। वहीं मप्र, महाराष्ट्र, दिल्ली, यूपी, छत्तीसगढ के कई अस्पतालों में चंद घंटों की ऑक्सीजन बची है। इस कारण सैकड़ों लोगों की जान खतरे में है।

नासिक के अस्पताल में 22 लोगों की मौत से पहले मप्र के शहडोल और भोपाल में ऑक्सीजन की कमी से पहले ही 25 लोगों की मौत के बाद अब देश के अन्य राज्यों में ऑक्सीजन की कमी के चलते सैकड़ों मरीजों की जान खतरे में पड़ गई है। महाराष्ट्र के पुणे, अहमदनगर सहित लगभग एक दर्जन से अधिक शहरों में चंद घंटों की ऑक्सीजन बची है। वहीं दिल्ली के कई अस्पतालों में ऑक्सीजन की भारी किल्लत महसूस की गई है। उधर उत्तरप्रदेश सहित कुछ अन्य राज्यों में अपने वहां ऑक्सीजन की कमी की बात कही है। अगर अस्पतालों में समय पर ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं होती तो सैकड़ों मरीजों की जान खतरे में पड़ सकती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केन्द्र से कहा कि वे दिल्ली में ऑक्सीजन उपलब्ध कराए। कई अस्पतालों में मात्र 2 से 3 घंटे की ऑक्सीजन है। हालांकि के कुछ अस्पतालों में आपूर्ति शुरू कर दी गई है।

नासिक में जिस वक्त ऑक्सीजन सप्लाई रोकी गई उस वक्त 171 मरीज ऑक्सीजन पर और 67 मरीज वेंटीलेटर पर थे। ऑक्सीजन सप्लाई रुकने से अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के मुताबिक, टैंक से आने वाले सप्लाई पाइप में लीकेज हुआ था। अभी इसे सुधार दिया गया है। इस लीकेज के दौरान 20 किलो लिक्विड ऑक्सीजन बर्बाद हुई। फिलहाल हॉस्पिटल के साथ जिला प्रशासन ने भी इस लीकेज की जांच शुरू कर दी है। हादसे पर गृह मंत्री अमित शाह ने संवेदना जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, नासिक के एक अस्पताल में ऑक्सीजन लीक होने से हुई दुर्घटना का समाचार सुन दुखी हूं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी इस अपूरणीय क्षति पर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। बाकी सभी मरीजों की कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

इस घटना में एक महिला की भी मौत हुई है। उसके ससुर ने बताया कि 4 दिन पहले अस्पताल लेकर आए थे। हालात में लगातार सुधार हो रहा था। लेकिन ऑक्सीजन सप्लाई रुकते ही तबीयत खराब होने लगी और उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मैंने उसे अपनी आंखों के सामने तड़पता हुआ देखा। मैं इधर-उधर भाग रहा था, लेकिन कोई उसकी मदद के लिए नहीं आया। हॉस्पिटल प्रशासन भी कोई जवाब नहीं दे पाया।

देश में ऑक्सीजन के लिए किस तरह की मारामारी है इसका अंदाजा मंगलवार और बुधवार को दमोह में घटित घटना से लगाया जा सकता है। दमोह जिले में बुधवार को ऑक्सीजन सिलेंडर लूटने का मामला सामने आया है। जिला अस्पताल में जब ऑक्सीजन सिलेंडर की खेप पहुची तो कोविड वार्ड में मौजूद मरीजों के परिजनों ने सिलेंडरों को लूट लिया। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात को और बुधवार सुबह दो बार हंगामे की ऐसी ही स्थिति बनी। परिजनों ने अस्पताल में तोडफोड़ भी की और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा मांगी है। दमोह के जिला अस्पताल में जैसे ही ऑक्सीजन के सिलेंडरों की खेप पहुंची, वहां प्री कोविड वार्ड में मौजूद मरीजों के परिजनों ने सिलेंडर लूट लिए और एक-एक सिलेंडरों की जगह दो-दो सिलेंडर अपने पास रख लिए। लोगों का कहना था कि हमें अस्पताल पर भरोसा नहीं है। ऑक्सीजन सिलेंडरों को लूटने की खबर के बाद एएसपी शिवकुमार सिंह अपने दल-बल के साथ अस्पताल परिसर में पहुंच गए, जहां परिवार वालों पर दबाव बनाया गया, लेकिन परिवार वाले नहीं माने।

नासिक हादसा दिल दहलाने वाला : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नासिक में ऑक्सीजन लीकेज की वजह से अस्पताल में 22 लोगों की मौत पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि नासिक हादसा दिल दहलाने वाला है। उन्होंने हादसे में लोगों की मौतों पर दुख जताते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की है। इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने घटना की जांच का आदेश देते हुए मुआवजे का ऐलान किया है। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, ऑक्सीजन टैंक लीकेज की वजह से नासिक के अस्पताल में हुआ हादसा दिल दहलाने वाला है। इसकी वजह से लोगों की मौत से दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ संवेदनाएं।

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने भी हादसे पर दुख जताते हुए कहा, नासिक के जाकिर हुसैन अस्पताल में ऑक्सीजन टैंकर लीक होने से कोविड मरीजों की मौत से बहुत दुखी हूं।

मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं और प्रभावितों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश देते हुए मृतकों के परिवारों के लिए 5-5 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया है।

इससे पहले महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि किसी और अस्पताल में इस तरह का हादसा ना हो, यह सुनिश्चित किया जाए। घटना की विस्तृत जांच कराई जाए। नासिक में कोविड-19 रोगियों के एक अस्पताल में बुधवार को लीकेज के बाद ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने से कम से कम 22 मरीजों की मौत हो गई।

जिलाधिकारी सूरज मंधारे ने कहा कि जाकिर हुसैन निगम अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने से 22 लोगों की मृत्यु हो गई। ये रोगी वेंटिलेटर और ऑक्सीजन पर थे। ऑक्सीजन आपूर्ति टैंक में लीकेज के बाद आपूर्ति बाधित हो गई। मंधारे ने कहा कि नगर निगम ने तत्काल दूसरी जगहों से ऑक्सीजन सिलेंडर लाकर लगाए हैं जहां ऑक्सीजन की जरूरत अपेक्षाकृत कम थी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। निशंक ने बुधवार को ट्वीट करके इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वह डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक दवा ले रहे हैं। उन्होंने हाल में उनके संपर्क में आए लोगों को भी जांच कराने की सलाह दी है। निशंक ने ट्वीट किया, आप सभी को सूचित कर रहा हूं कि आज मैं कोरोना पॉजिटिव पाया गया हूं। मैं दवा और इलाज अपने डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक ले रहा हूं। हाल में मेरे संपर्क में आए सभी लोग सर्तक रहें और अपनी जांच करा लें। एक अन्य ट्वीट में कहा कि मंत्रालय का काम सामान्य रूप से चलता रहेगा। शिक्षा मंत्रालय का सारा काम सामान्य तरीके से जरूरी सावधानियों के साथ चल रहा है।

सीरम इंस्टीट्यूट ने जारी की कोविशील्ड की नई कीमत;

राज्यों को 400 रुपये, निजी अस्पतालों को 600 रुपये में देगी वैक्सीन

नई दिल्ली । पुणे स्थित दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन निर्माता सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने वैक्सीन की कीमतों को लेकर बड़ा ऐलान किया है. बुधवार को कंपनी ने कहा है कि राज्य सरकार को कोविशील्ड वैक्सीन 400 रुपये प्रति डोज की दर पर मिलेगी. इसके अलावा निजी अस्पतालों में वैक्सीन की कीमत 600 रुपये प्रति डोज होगी. कंपनी ने उत्पादन के बाद राज्य और केंद्र सरकार के बीच वैक्सीन को 50-50 प्रतिशत बांटने का फैसला किया है.

कंपनी ने जानकारी दी है कि 50 प्रतिशत वैक्सीन केंद्र सरकार को दी जाएगी. इसके बाद 50 प्रतिशत वैक्सीन राज्य सरकार और निजी अस्पतालों को दी जाएंगी. सीरम इंस्टीट्यूट ने कोविशील्ड की कीमतों पर से भी पर्दा उठा दिया है. कंपनी का कहना है कि राज्य सरकार को यह वैक्सीन 400 रुपये प्रति डोज की दर से मिलेगी. जबकि प्राइवेट अस्पतालों को इसके लिए 600 रुपये देने होंगे.

बुधवार को कंपनी ने कोविशील्ड समेत अन्य वैक्सीन को लेकर भी चर्चा की. कंपनी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर भारत में वैक्सीन के दाम कम हैं. इस दौरान अलग-अलग वैक्सीन के उदाहरण दिए गए हैं. कंपनी ने जानकारी दी कि अमेरिकी वैक्सीन के दाम 1500 रुपये हैं. जबकि, रूसी और चीन की वैक्सीन की कीमत 750 रुपये प्रति डोज है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला ने पहले कहा था कि कोविशील्ड की कीमत एक हजार रुपये प्रति डोज हो सकती है.

भारत में ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने फिलहाल कोविशील्ड और हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक में तैयार हुई कोवैक्सीन को आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दी है. कोविशील्ड को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने मिलकर तैयार किया है. वहीं, कोवैक्सीन को भारत बायोटेक और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानि ढ्ढष्टरू ने मिलकर बनाया है. खास बात है कि आगामी 1 मई से भारत में वैक्सीन कार्यक्रम का नया चरण शुरू होने जा रहा है. सरकार ने अब 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों को वैक्सीन लगाने का फैसला किया है. फिलहाल 45 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को टीका लगाया जा रहा है.

मतदान के पहले मुर्शिदाबाद में भी हिंसा, बमबाजी में तृणमूल कार्यकर्ता की मौत

कोलकाता । बंगाल विधानसभा चुनाव में राजनीतिक हिंसा चरम पर है। कल मुर्शिदाबाद में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या के बाद एक तृणमूल कार्यकर्ता की बमबाजी में मौत हो गई। घटना मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा में घटी है। मृतक का नाम बादल घोष है। इसके साथ ही जिले में मृतकों की संख्या बढ़ कर दो गई है। बता दें कि छठे चरण में मुर्शिदाबाद में कल मतदान है। मुर्शिदाबाद राजनीतिक हिंसा के लिए कुख्यात है। पुलिस के अनुसार सोमवार को आधी रात में संघर्ष के बाद मंगलवार रात को हरिहरपाड़ा के इलाके में तनाव बढ़ गया था। ग्रामीणों का कहना है कि बमबाजी रात करीब 10=30 बजे शुरू हुई। वे भयभीत हो गए। डर के मारे उस समय घर से कोई नहीं निकला। बाद में चीखें सुनाई दी और इलाके में काफी बमबाजी होती रही। थोड़ी देर बाद, स्थानीय लोग घर से बाहर आए और देखा कि एक युवक सड़क के किनारे पड़ा है।उसका नाम बादल घोष है। वह टीएमसी समर्थक था।उसकी गर्दन पर गहरे घाव के निशान थे। बमबाजी के कारण शरीर के कई हिस्से जल गए थे। खबर थाने को दी गई। पुलिस ने जाकर शव बरामद किया।

कांग्रेस कार्यकर्ता की हुई थी हत्या

जिला तृणमूल नेता अशोक दास ने दावा किया कि कांग्रेस और भाजपा ने मिलकर इलाके के नियंत्रण की लड़ाई में तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या कर दी है। बता दें कि मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा कल ही कासिम अली (52) नामक एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। वह कांग्रेस का कार्यकर्ता था। कांग्रेस कार्यकर्ता हरिहरपाड़ा में रायपुर में एक चुनावी सभा से लौट रहा था। उस समय उन पर उपद्रवियों द्वारा कथित रूप से हमला किया गया था। पहले लाठी, लोहे की रॉड, धारदार हथियार से हमला किया। बाद में क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बमबारी शुरू हो गई। घटना में 12 और कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हो गए थे।

भगवान राम, लक्ष्मण और हनुमान के रूप में कलाकारों ने बेंगलुरु में रामनवमी के अवसर पर कोरोनोवायरस के प्रसार के खिलाफ जागरूकता अभियान के दौरान मास्क बांटते हुए।

देश में कोरोना संकट से बिगड़े हालात, 146 जिलों पॉजिटिविटी रेट 15 फीसद से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसियां। देश में कोरोना संक्रमण से हालात गंभीर होते जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने बुधवार को बताया कि देश में 146 जिले ऐसे हैं जहां पॉजिटिविटी रेट 15 फीसद से अधिक है जो चिंता का विषय है। देश में मौजूदा वक्त में सक्रिय मामलों की संख्या 21,57,000 है। यह संख्या पिछले साल के हमारे अधिकतम संख्या के दो गुणा है। रिकवरी दर 85 फीसद जबकि मृत्यु दर 1.17 फीसद है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने बताया कि सरकार कोरोना के खिलाफ लड़ाई में तेजी लाने जा रही है। आने वाले दिनों में सरकार संक्रमितों के इलाज के लिए बेड की संख्या और बढ़ाने जा रही है।

भूषण ने बताया कि पिछले साल औसत सबसे ज्यादा मामले 94 हजार रोजाना दर्ज किए गए थे। इस बार पिछले 24 घंटों में 2,95,000 मामले दर्ज़ किए गए हैं। देश में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान में तेजी से चलाया जा रहा है। देश में 13 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज़ दी जा चुकी हैं। पिछले 24 घंटों में लगभग 30 लाख वैक्सीन डोज दी गई हैं। देश में लगभग 87 फीसद स्वास्थ्यकर्मियों को उनकी पहली डोज दी जा चुकी है। देश में 79 फीसद फ्रंट लाइन वर्कर्स को पहली डोज लगाई जा चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि अगले चरण के टीकाकरण के लिए अब नई रणनीति घोषित की गई है। इसके 12 सिद्धांत होंगे जिनके तहत टीकाकरण किया जाएगा। टीकानिर्माता 50 फीसद वैक्सीन की आपूर्ति भारत सरकार को करेंगे जबकि 50 आपूर्ति अन्य को की जाएगी। इनमें राज्य सरकारें और निजी अस्पताल सीधे वैक्सीन निर्माता से खरीद कर सकेंगे। वैक्सीन की कीमत का सवाल है तो वैक्सीन डेवलपर इसके दाम पारदर्शी तरीके से घोषित करेंगे। वैक्सीन किसी भी सूरत में खुले बाजार में नहीं मिलेगी।

राजेश भूषण ने बताया कि आने वाले दिनों में वैक्सीन डेवलपर से केंद्र सरकार और निजी अस्पताल या राज्य सरकारों को ही टीकों की आपूर्ति होगी। जैसे अब तक होता आया है कि भारत सरकार की ओर से निजी अस्पतालों को वैक्सीन उपलब्ध कराई जाती थी वह अब नहीं कराई जाएगी। अब केवल दो व्यवस्थाएं होगी। पहली भारत सरकार की निऱ्शुल्क टीकाकरण की व्यवस्था जिसमें गरीबों उम्र दराज और बीमार लोगों का टीकाकरण होगा जबकि दूसरी निजी अस्पतलों की ओर से टीकाकरण की व्यवस्था जिसमें लोग सीधे प्राइवेट अस्पतालों से वैक्सीन लगवाएंगे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आपूर्ति किए गए वैक्सीन के आधार पर संचालित वैक्सीनेशन सेंटर निशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराएंगे। इन केंद्रों में आयु की सीमा 45 साल रहेगी। इसमें स्वास्थ्यकर्मी और फ्रंट लाइन वर्कर्स भी शामिल होंगे।

राजेश भूषण ने बताया कि आने वाले दिनों में वैक्सीन डेवलपर से केंद्र सरकार और निजी अस्पताल या राज्य सरकारों को ही टीकों की आपूर्ति होगी। जैसे अब तक होता आया है कि भारत सरकार की ओर से निजी अस्पतालों को वैक्सीन उपलब्ध कराई जाती थी वह अब नहीं कराई जाएगी। अब केवल दो व्यवस्थाएं होगी। पहली भारत सरकार की निऱ्शुल्क टीकाकरण की व्यवस्था जिसमें गरीबों उम्र दराज और बीमार लोगों का टीकाकरण होगा जबकि दूसरी निजी अस्पतलों की ओर से टीकाकरण की व्यवस्था जिसमें लोग सीधे प्राइवेट अस्पतालों से वैक्सीन लगवाएंगे।

भाजपा सरकार को सिर्फ चुनावों की चिंता, मानव जीवन बचाने की नहीं : अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना की महामारी ने एक ओर भारी तबाही मचा रखी है तो दूसरी तरफ बड़े महानगरों से श्रमिकों के पलायन की गम्भीर समस्या कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन रही है. भाजपा सरकार ने ढोल पीटा था कि जो पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश आ गए हैं, उन सबको रोजगार मिलेगा. करीब 1.5 करोड़ की उपलब्धता का दावा भी किया गया था लेकिन झूठ खुल गया, सच सामने आ गया. भाजपा ने अपनी जनता को धोखा देकर महापाप किया है.

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बड़े पैमाने पर मजदूरों का फिर पलायन हो रहा है. दिल्ली का आनन्द विहार बस अड्डा, नोएडा तथा देश के अन्य राज्यों से लाखों कामगारों का आना जारी है. इनका काम छूटा, पैसे खत्म अब अपने गांव लौट जाने की बेचैनी है. ट्रेन से भी हजारों आ रहे हैं. गतवर्ष की तरह अभी तो रास्ते में इनके खाने-पीने की व्यवस्था में स्वयं सेवी संगठन भी सामने नहीं आए हैं. सरकार ने तो अपनी आंख पर पट्टी बांध रखी है.

उन्होंने कहा कि प्रवासी श्रमिकों के प्रति भाजपा सरकार की नीति और नीयत दोनों में खोट के चलते स्थितियां बिगड़ रही हैं. बड़ी संख्या में आ रहे लोगों की टेस्टिंग और दवाओं की कोई व्यवस्था नहीं है. राज्य सरकार दिल्ली और दूसरे महानगरों से आ रहे परेशान हाल परिवारों को उनके घर तक पहुंचाने की सुचारू व्यवस्था करने में असमर्थ साबित हो रही है.

पिछले साल से भाजपा सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा- सच तो यह है कि भाजपा सरकार को सिर्फ चुनावों की चिंता रहती है, मानव जीवन बचाने की नहीं. गतवर्ष कोरोना के संक्रमण और लॉकडाउन के बाद जो हालात बने थे, उनसे भाजपा सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा. प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी दोनों अपनी वाहवाही की थालियां बजवाते रहे, अब जब कोरोना पहले से कहीं बदतर परिणाम दे रहा है. रोजाना मौतें हो रही हैं. अस्पतालों में इलाज नहीं हैं. गरीबों को मरने पर भी ठोकरें खानी पड़ रही है. गरीब कालाबाजारियों का शिकार हो रहा है, तब भाजपा की राज्य सरकार आपदा में अवसर तलाशने वाले जमाखोरों, लापरवाह अधिकारियों और लूट मार में लगें समाज के कुछ वर्गो के साथ नूराकुश्ती के दांव आजमा कर जनता को धोखा दे रही है. जनता सब देख रही है. भाजपा ने लोकलाज खो दी है, प्रशासन चलाने की उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग चुका है. अब उसकी खैर नहीं है.

करीब पांच साल बाद हुई ईरान-सऊदी वार्ता, सकारात्मक परिणाम की उम्मीद

बगदाद। सऊदी अरब और ईरान के बीच सालों बाद पहली बार सीधी वार्ता हुई। दुनिया के दो क्षेत्रीय दुश्मन देशों सऊदी अरब और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच करीब 5 साल बाद हुई इस वार्ता के बारे में बताया जा रहा है कि इराक की राजधानी बगदाद में हुई इस बैठक में दोनों देशों के बीच खराब संबंधों को फिर से सुधारने को लेकर बातचीत हुई। बता दें कि पश्चिम एशिया के इन दो बेहद अहम देशों ने करीब 5 साल पहले अपने राजनयिक रिश?ते तोड़ लिए थे। इस वार्ता के लिए इराक के प्रधानमंत्री द्वारा राह बनाई गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने क्षेत्र में राजनयिक चैनल को दोबारा खोलने की कोशिश की।

सऊदी अरब और ईरान के बीच यह बातचीत ऐसे समय पर हुई है जब बाइडन ईरान के साथ परमाणु समझौते को लेकर फिर से बातचीत शुरू करना चाहते हैं। उनकी कोशिश पश्चिम एशिया में तनाव को घटाना है। सूत्रों के मुताबिक दोनों देशों के बीच इस बातचीत को इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल कधिमी की ओर से बढ़ावा दिया गया है। ईरान के बगदाद में राजदूत इराज मसजीदी की ओर से इराक में सऊदी और ईरान के बीच हुई वार्ता की पुष्टि की गई। उन्होंने अपने बयान में कहा कि सऊदी अरब से सामान्य संबंध करने के लिए इराक की मध्यस्थता स्वागत योग्य है।

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने दुबई की राजकुमारी के बारे में मांगी जानकारी, कहा- तत्काल रिहा करें

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के साथ मिलकर काम कर रहे स्वतंत्र विशेषज्ञों ने संयुक्त अरब अमीरात सरकार से दुबई के प्रभावशाली शासक की बेटी के बारे में और जानकारियां देने को कहा है। राजकुमारी के बारे में दावा किया गया है कि उसे अगवा कर लिया गया है। विशेषज्ञों ने शेख लतीफिया बिंत मोहम्मद अल मकतूम की तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने लतीफिया के जीवन पर मंडरा रहे संभावित खतरों को लेकर चिंता भी व्यक्त की।

विशेषज्ञों ने कहा कि हम बेहद चिंतित हैं कि फरवरी में एक फुटेज सार्वजनिक तौर पर जारी की गई, जिससे पता चलता है कि लतीफिया को उनकी इच्छा के विरुद्ध आजादी से वंचित किया जा रहा है। उसके बाद उनकी स्थिति के बारे में सूचना देने के लिए आधिकारिक रूप से किए गए आग्रह के बावजूद अधिकारियों ने कोई ठोस सूचना नहीं उपलब्ध कराई है। ये विशेषज्ञ संयुक्त राष्ट्र के अनुबंधित स्वतंत्र सलाहकार हैं।

शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की बेटी लतीफिया ने 2018 में संयुक्त अरब अमीरात से भागने की कोशिश की थी लेकिन उन्हें भारत जा रही नौका से कमांडो ने हिरासत में ले लिया था। शेख वंशानुगत शासित देश के प्रधानमंत्री और उप राष्ट्रपति हैं। विशेषज्ञों ने लतीफिया की तत्काल रिहा करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने राजकुमारी कहां है, इस बात की स्वतंत्र रूप से पुष्टि कराये जाने की अपील की है।

बाइडन प्रशासन ने भारत सरकार को भिजवाया संदेश, कहा- दवा आवश्यकताओं को समझता है अमेरिका

वाशिंगटन। बाइडन प्रशासन ने कहा है कि अमेरिका भारत की दवा आवश्यकताओं को समझता है। उसने कोरोना वैक्सीन के निर्माण में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री के मामले पर उचित ध्यान देने का आश्वासन दिया है। बाइडन प्रशासन ने कहा है कि अमेरिका में एक कानून है, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियों को घरेलू मांग को प्राथमिकता देनी पड़ती है। अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप की तरह राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी युद्धकालीन रक्षा उत्पादन कानून लागू कर रखा है। इसके तहत अमेरिकी कंपनियों को कोरोना वैक्सीन और पीपीई उत्पादन में घरेलू मांग को प्राथमिकता देनी पड़ती है। बताते चलें कि अमेरिका खुद कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित देश है। अमेरिका में चार जुलाई तक पूरी आबादी का टीकाकरण करने का लक्ष्य रखा गया है। यहां पर मुख्यतः मार्डना और फाइजर की वैक्सीन लगाई जा रही है। इसलिए अमेरिकी कंपनियों के सामने वैक्सीन के निर्माण में जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति सिर्फ घरेलू उत्पादकों को ही करने का दबाव है। विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि बाइडन प्रशासन ने भारत सरकार को संदेश भिजवाया है कि वह उसकी जरूरतों को समझता है। अमेरिकी अधिकारी मानते हैं कि भारत-अमेरिका के बीच स्वास्थ्य सहयोग का दायरा व्यापक है। समझा जाता है कि दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के अधिकारी भी संबंधित भारतीय अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं।

जापान के प्रधानमंत्री नहीं आएंगे भारत, फिलीपींस का दौरा भी किया स्थगित

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा इस माह के अंत में भारत आने वाले थे लेकिन अब इस दौरे को स्थगित करने की खबर आ रही है। साथ ही उनका फिलीपींस दौरा भी स्थगित कर दिया गया है। मीडिया के अनुसार सुगा अब कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों पर नियंत्रण को लेकर फोकस करेंगे। प्रधानमंत्री सुगा की ओर से देश की जनता से वादा किया गया है कि उनकी सरकार जून के अंत तक कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीन के दस करोड़ डोज का आयात करेगी। जापान की आबादी साढ़े 12 करोड़ से अधिक है और अब तक देश में केवल 11 लाख लोगों को ही वैक्सीन की खुराक दी गई है। देश में संक्रमण से बचाव के लिए कड़े नियम लागू किए गए हैं। जापान में वैक्सीनेशन की शुरुआत हेल्थवर्करों के साथ हुई थी और फिर बुजुर्ग नागरिकों को वैक्सीन की खुराक दी गई।

कोरोना दुनिया में:7 दिन के अंदर 55 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए

● 80 हजार लोगों ने जान गंवाई; 10 देशों में कोरोना की चौथी लहर

न्यूयार्क। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 7 दिन के अंदर दुनिया में 55 लाख 23 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित पाए गए। इस मामले में 12फीसदीका इजाफा देखने को मिला है। इस हफ्ते 80 हजार 323 मरीजों ने दम तोड़ दिया। मौत के मामले में 7फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटे का आंकड़ा देखें तो इस दौरान 8 लाख 25 हजार लोग संक्रमित मिले हैं। सबसे ज्यादा भारत में 2.94 लाख, ब्राजील में 73 हजार, तुर्की में 61 हजार और अमेरिका में 60 हजार लोग संक्रमित पाए गए। पूरी दुनिया में मंगलवार को 13 हजार 905 मरीजों की मौत हो गई।

10 देशों में कोरोना की चौथी लहर

भारत कोरोना की दूसरी लहर से परेशान है तो दुनिया के 10 ऐसे भी देश हैं, जहां संक्रमण की चौथी लहर चल रही है। इनमें ब्राजील, तुर्की, फ्रांस, अर्जेंटिना, ईरान, कोलंबिया, जमर्नी, इटली, पेरू और पोलैंड जैसे देश शामिल हैं। इन देशों में हर दिन 10 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हो रहे हैं। सबसे खराब हालत ब्राजील और तुर्की की है।

ब्रिटेन में वैक्सीनेशन काफी तेज हो गया है। यहां अब तक

40फीसदीसे ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

ब्रिटेन में वैक्सीनेशन काफी तेज हो गया है। यहां अब तक 40फीसदीसे ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

ब्रिटेन में वैक्सीनेशन के बाद घटी मौतें: कोरोना की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान ने दुनिया में असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसका ताजा उदाहरण ब्रिटेन में देखने को मिला है। 7 सितंबर को वहां 3 लोगों की मौत हुई थी, लेकिन मौतों का आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ता गया। पर टीकाकरण शुरू होने के बाद अब वहां महामारी से सिर्फ 4 मौतें दर्ज हुई हैं, इसके साथ ही कोरोना से मरने वालों की दर पिछले सोमवार के मुकाबले 70फीसदीघट गई है। इसके अलावा ब्रिटेन में नए कोरोना मरीजों की रफ्तार भी करीब 17फीसदीकम हुई है। पिछले हफ्ते वहां 3568 मरीज मिले थे, लेकिन बीते 24 घंटों में 2963 केस मिले हैं। टीकाकरण से उत्साहित ब्रिटेन अब अपने नागरिकों के लिए इस साल बूस्टर डोज लगाने की तैयारी में है। बूस्टर डोज से कोरोना के किसी भी वेरियंट से लड़ने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने बताया कि हमें किसी भी हाल में जून तक लॉकडाउन से पूरी तरह बाहर निकलना है, इसलिए जुलाई के अंत तक देश में सभी वयस्कों को टीके की पहली डोज लगा दी जाएगी। 50 साल से ऊपर के सभी लोगों को देश में टीके लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब हम 17 मई तक किसी भी हाल में इंडोर और आउटडोर गतिविधियां शुरू करना चाहते हैं। इसके साथ ही इंटरनेशनल ट्रैवल भी खोलने की तैयारी में हैं।

अमेरिका का जॉर्ज फ्लॉयड केस: पूर्व पुलिस अफसर डेरेक चॉविन हत्या का दोषी करार

सजा का ऐलान दो महीने में; 40 साल तक की जेल हो सकती है

मिनेपोलिस। अमेरिका में बीते साल अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के मामले में पूर्व पुलिस अफसर डेरेक चॉविन को दोषी ठहराया गया है। उसकी सजा का ऐलान अगले दो महीने में किया जाएगा। माना जा रहा है कि चॉविन को अधिकतम 40 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। चॉविन पर आरोप है कि उन्होंने 46 साल के फ्लॉयड की गर्दन पर 9 मिनट 29 सेकंड तक फ्लॉयड की गर्दन अपने घुटने से दबाई, जिससे उसकी मौत हो गई।

फैसले के बाद चॉविन की जमानत रद्द

6 श्वेत, 6 अश्वेत और एक मल्टीरेशियल जज की ज्यूरी ने करीब 10 घंटों की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया। चॉविन सभी मामलों में दोषी पाए

गए हैं। कोर्ट की तरफ से फैसला सुनाए जाने के तुरंत बाद ही चॉविन की जमानत भी रद्द हो गई थी। इसके बाद उन्हें हथकड़ियों में ले जाया गया। फैसले के बाद फ्लॉयड के छोटे भाई फिलोनाइस ने कहा कि आज हम एक बार फिर सांस ले पा रहे हैं।

पिछले साल 25 मई को फ्लॉयड की मौत हुई थी

मिनेपोलिस में पिछले साल 25 मई को फ्लॉयडको पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया था। इससे पहले पुलिस अफसर डेरेक चॉविन ने फ्लॉयड को सड़क पर दबोचा था और अपने घुटने से उसकी गर्दन को करीब आठ मिनट तक दबाए रखा था। फ्लॉयड के हाथों में हथकड़ी थी। इसमें 46 साल का जॉर्ज लगातार पुलिस अफसर से घुटना हटाने की गुहार लगाता रहा।

घटना का वीडियो भी वायरल हुआ। जिसमें उसने कहा, 'आपका घुटना मेरे गर्दन पर है। मैं सांस नहीं ले पा रहा हूं...।''

धीरे-धीरे उसकी हरकत बंद हो जाती है। इसके बाद अफसर कहते हैं, 'उठो और कार में बैठो', तब उसकी कोई प्रतिक्रिया नहीं आती। इस दौरान आस-पास काफी भीड़ जमा हुई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

चाड के प्रेसिडेंट मारे गए: सैनिकों से मिलने फ्रंट पोस्ट पर गए थे इदरिस डेबी, आतंकवादियों के हमले का शिकार बन गए

लंदन। मध्य अफ्रीकी देश चाड के राष्ट्रपति इदरिस डेबी की आतंकी हमले में मौत हो गई। उनकी मौत के बारे में फिलहाल, विस्तार से जानकारी नहीं मिल पाई है, क्योंकि जहां वे मौजूद थे, वो दूर-दराज का रेगिस्तानी इलाका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डेबी विद्रोही और आतंकी गुटों के खिलाफ जंग लड़ रहे सैनिकों से मिलने फ्रंटलाइन पोस्ट (अग्रिम मोर्चे) पर गए थे। यहां संभवतः आतंकियों की गोली का शिकार बन गए। डेबी 1990 में पहली बार इस सेंट्रल अफ्रीकी देश के राष्ट्रपति बने थे। 11 अप्रैल को इस देश में फिर राष्ट्रपति चुनाव हुए थे। इसमें भी डेबी की पार्टी जीती थी और वो 6 साल के लिए फिर राष्ट्रपति बने थे। 68 साल के डेबी देश और अफ्रीकी महाद्वीप में काफी लोकप्रिय थे। उन्होंने इस रेगिस्तानी देश को विकास के रास्ते पर चलाने में अहम भूमिका निभाई। डेबी का उनके ही देश में कुछ विद्रोही संगठन विरोध करते थे। इनमें से कुछ का संबंध आतंकी गुटों से भी था। इदरिस अकसर मोर्चे पर तैनात सैनिकों से मिलने जाते थे। चुनाव जीतने के बाद भी वे यहां पहुंचे। यहीं एक हमले में उनकी मौत हुई। मंगलवार को नेशनल टीवी पर इसकी जानकारी दी गई। सैन्य प्रवक्ता जनरल एजम बर्मेनदोआ ने कहा- राष्ट्रपति ने इस हफ्ते के आखिर में मोर्चे पर अंतिम सांस ली।

चाड का ज्यादातर हिस्सा रेगिस्तानी है। यहां कम्युनिकेशन और ट्रांसपोर्ट के साधन भी बहुत सीमित हैं। डेबी खुद एक सैनिक रहे थे और अकसर मोर्चे पर खुद जाया करते थे। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि उनकी मौत लड़ाई के दौरान हुई या फिर अचानक गोलीबारी का शिकार बन गए। देश के पूर्वी हिस्से में विद्रोही मजबूत माने जाते हैं।

प्योंगयांग के कदम से बढ़ेगा तनाव:उत्तर कोरिया की सबमरीन तैयार

इसकी परमाणु संपन्न मिसाइल से अमेरिका तक मची खलबली

उत्तर कोरिया। एक तरफ दुनिया कोरोना महामारी के संकट से जूझ रही है वहीं, उत्तर कोरिया हथियारों का बेड़ा बढ़ाने में लगा है। ऐसी खबरें है कि कोरिया जल्द ही सबमरीन से लांच होने वाली परमाणु संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण करेगा। तीन हजार टन वजन वाली सबमरीन में तीन मिसाइल तैनात हो सकती हैं। पैसिफिक महासागर से इससे गुवाम, हवाई और अमेरिका को भी निशाना बना सकता है।

प्योंगयांग के इस कदम को उत्तर-पूर्व एशिया और अमेरिका की स्थितरता के लिए खतरा माना जा रहा है। वॉशिंगटन डीसी के थिंक टैंक द सिमोंस सेंटर के विशेषज्ञ लंबे समय से उत्तर कोरिया शिनपो शिपयार्ड में जारी इस प्रोजेक्ट पर निगाह रखे हैं। नई उपग्रह तस्वीरों में दिख रहा है, जिस हॉल में सबमरीन बन रही है उसके बाहर की तैयारियां बताती हैं कि पोत लांचिंग को तैयार है। जुलाई 2019 में उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के शिपयार्ड का दौरा करने के बाद सबमरीन की फोटो जारी हुई थी। कंस्ट्रक्शन साइट पर जहां पहले सामान पड़ा था वह जगह भी खाली हो गई है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि परमाणु क्षमता से संपन्न पुकगुकसॉन-3 मिसाइल की मारक क्षमता 1900 किमी है। सबमरीन 1950 के सोवियत डीजल इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन व मिसाइल लांच टेक्नोलॉजी पर आधारित है, जो अब ज्यादा कारगर नहीं है। अमेरिका पर हमला करने के लिए सबमरीन को आने-जाने में 12 हजार किमी दूरी तय करनी पड़ेगी। जबकि इसकी कुल क्षमता सात हजार किमी ही है। जैसे ही यह पानी में उतरेगी, इसकी खबर दुनिया को हो जाएगी।

उत्तर कोरिया को समुद्र में उतरने का वैसा अनुभव नहीं

उत्तर कोरिया के पास पैसिफिक महासागर की गहराई, मौसम, लहरों की ताकत जानने का तरीका नहीं है। अगर सबमरीन समुद्र में भटक गया तो कोरिया खोज भी नहीं पाएगा। वहीं, इस इलाके में जापान की सख्त निगरानी है।

कोरोना टीकाकरण से बदली तस्वीर

● ब्रिटेन में 7 माह बाद एक दिन में 4 मौत, मौतों की दर 70फीसदी घटी, जून तक लॉकडाउन से पूरी तरह बाहर निकलना चाहता है यूके

लंदन। कोरोना की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान ने दुनिया में असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसका ताजा उदाहरण ब्रिटेन में देखने को मिला है। 7 सितंबर को वहां 3 लोगों की मौत हुई थी, लेकिन मौतों का आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ता गया। पर टीकाकरण शुरू होने के बाद अब वहां महामारी से सिर्फ 4 मौतें दर्ज हुई हैं, इसके साथ ही कोरोना से मरने वालों की दर पिछले सोमवार के मुकाबले 70फीसदी घट गई है। इसके अलावा ब्रिटेन में नए कोरोना मरीजों की रफ्तार भी करीब 17फीसदी कम हुई है।

पिछले हफ्ते वहां 3568 मरीज मिले थे, लेकिन बीते 24 घंटों में 2963 केस मिले हैं। टीकाकरण से उत्साहित ब्रिटेन अब अपने नागरिकों के लिए इस साल बूस्टर डोज लगाने की तैयारी में है। बूस्टर डोज से कोरोना के किसी भी वेरियंट से लड़ने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने बताया कि हमें किसी भी हाल में जून तक लॉकडाउन से पूरी तरह बाहर निकलना है, इसलिए जुलाई के अंत तक देश में सभी वयस्कों को टीके की पहली डोज लगा दी जाएगी। 50 साल से ऊपर के सभी लोगों को देश में टीके लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब हम 17 मई तक किसी भी हाल में इंडोर और आउटडोर गतिविधियां शुरू करना चाहते हैं। इसके साथ ही इंटरनेशनल ट्रैवल भी खोलने की तैयारी में हैं।

दूसरी ओर, इजरायल भी टीकाकरण के बाद लॉकडाउन से आजाद हो गया है। वहां लोग एक बार फिर घर से चेहरे पर मास्क नहीं मुस्कुराहट लेकर निकलेंगे। दरअसल, इजरायल में 81फीसदी लोगों का टीकाकरण हो गया है, इसलिए मास्क पहनकर निकलने की अनिवार्यता वहां खत्म हो गई है। मास्क

हटाने का आदेश देने वाला इजरायल संभवतः दुनिया का पहला देश है। हालांकि, विदेशियों की एंट्री और बिना टीका लगवाए इजरायली लोगों का प्रवेश वहां सीमित है। उन्हें आते ही क्वारंटीन किया जा रहा है।

अपनी ज्यादा से ज्यादा आबादी को वैक्सीन देने के मामले में भूटान केवल सेशेल्स से पीछे है, जो अपनी 67फीसदी आबादी को वैक्सीन दे चुका है। सेशेल्स की आबादी करीब एक लाख है। करीब 2 करोड़ की आबादी वाला दक्षिण अमेरिका का देश चिली भी वैक्सीनेशन की दौड़ में विकसित देशों से आगे है। चिली में करीब 40फीसदी आबादी को वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

7 दिन में बैकफुट पर इमरान: फ्रेंच एम्बेसेडर को निकालने के लिए संसद में प्रस्ताव लाई पाकिस्तान सरकार, कट्टरपंथी संगठन का चीफ भी रिहा

इस्लामाबाद। सात दिन तक देश और विदेश में जिल्लत झेलने के बाद इमरान खान सरकार ने कट्टरपंथी संगठन तहरीए-ए-लब्बैक पाकिस्तान यानी टीएलपी के सामने सरेंडर कर दिया है। सरकार ने संसद में एक प्रस्ताव पेश किया। इसमें कहा गया है कि फ्रांस के राजदूत को निकालने की टीएलपी की मांग पर शुक्रवार को बहस शुरू होगी। पाकिस्तानी मीडिया ने यह भी बताया कि टीएलपी के चीफ साद रिजवी को भी चुपचाप रिहा कर दिया गया है।

कुछ महीने पहले फ्रांस में पैगम्बर मोहम्मद साहब का कार्टून बनाया गया था। इसका मुस्लिम देशों में काफी विरोध हुआ था। तब से टीएलपी मांग कर रही है कि फ्रांस से सभी डिप्लोमैटिक रिलेशन खत्म किए जाएं और उसके एम्बेसेडर को इमरान सरकार देश से निकाले। इसी मांग को लेकर 7 दिन से पाकिस्तान में सिविल वॉर जैसे हालात बने हुए थे।

समझौता बना गले की हड्डी

फरवरी में ही टीएलपी ने आंदोलन की चेतावनी दी थी। तब इमरान सरकार ने इस संगठन से लिखित समझौता किया था। इसें सरकार ने कहा था कि वो फ्रेंच एम्बेसेडर को निकालने की मांग पर 20 अप्रैल तक संसद में प्रस्ताव लाएगी। 11 अप्रैल को सरकार वादे से मुकर गई। ताकतवर टीएलपी ने

मुल्क बंद करने की धमकी दी तो उसके चीफ साद रिजवी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद पूरे देश में हिंसा हुई। मीडिया कवरेज पर रोक लगा दी गई और इंटरनेट बंद कर दिया गया। हिंसा में 4 पुलिसवालों समेत कुल 11

> सात दिन तक देश और विदेश में जिल्लत झेलने के बाद इमरान खान सरकार ने कट्टरपंथी संगठन तहरीए-ए-लब्बैक पाकिस्तान यानी टीएलपी के सामने सरेंडर कर दिया है। सरकार ने संसद में एक प्रस्ताव पेश किया।

लोग मारे गए। तालिबान और दूसरे आतंकी संगठनों ने टीएलपी को समर्थन देने का ऐलान किया तो सरकार की सांसें फूल गईं।

बैन संगठन से बातचीत

पाकिस्तान सरकार ने पिछले हफ्ते ही टीएलपी को आतंकी संगठन बताते हुए इसे बैन कर दिया था। फिलहाल, बैन तो नहीं हटाया गया, लेकिन बातचीत की शुरुआत हो गई है। इसके बाद ही मंगलवार को होम मिनिस्टर शेख रशीद ने संसद में प्रस्ताव लाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीएलपी मेंबर्स पर लगे सभी केस वापस लिए जाएंगे। इमरान ने भी सोमवार रात मुल्क के नाम पैगाम दिया था। कहा था- फ्रेंच एम्बेसेडर को निकालने के गंभीर नतीजे होंगे। उन्होंने भारत पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया था। साथ ही ये भी कहा था कि टीएलपी और सरकार का लक्ष्य एक, लेकिन तरीके अलग हैं।

आगे क्या होगा?

पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, इमरान सरकार नाक बचाने और मामले को टालने के लिए संसद में बहस का प्रस्ताव ला रही है। इमरान खुद कह चुके हैं कि अगर फ्रेंच एम्बेसेडर को निकाला तो पूरी यूरोपीय यूनियन और पश्चिमी देश पाकिस्तान के खिलाफ हो जाएंगे। ऐसे में पाकिस्तान का वजूद ही खतरे में पढ़ जाएगा। FATF भी पाकिस्तान को ग्रे से ब्लैक लिस्ट में डाल सकता है। मुस्लिम देश भी उसका साथ देने के लिए तैयार नहीं हैं।

बड़े स्तर पर ऑक्सीजन, बेड्स बढ़ाने का काम जारी है : केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज कोरोना के वर्तमान हालातों पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में ऑक्सीजन का गंभीर संकट बना हुआ है। मैं पुनः केंद्र सरकार से आग्रह करता हूं कि वह दिल्ली को तत्काल ऑक्सीजन उपलब्ध कराए। कुछ अस्पतालों में कुछ ही घंटे के लिए ऑक्सीजन बचे हैं। सीएम ने आगे कहा कि दिल्ली में ऑक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। हम केंद्र सरकार से भी लगातार बात कर रहे हैं। दिल्ली में बड़े स्तर पर ऑक्सीजन बेड्स बढ़ाने का काम भी जारी है। वहीं, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि ऑक्सीजन को लेकर सब अस्पतालों से एसओएस फोन आ रहे हैं। ऑक्सीजन सप्लाई करने वाले लोगों को अलग-अलग राज्यों में रोक दिया जा रहा है। ऑक्सीजन की सप्लाई को लेकर राज्यों के बीच जंगलराज न हो। इस पर केंद्र सरकार को बेहद संवेदनशील और सक्रिय

रहना होगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज वीडियो कांफ्रेंस के जरिए दिल्ली में कोरोना के मौजूदा हालात को लेकर समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य), एसीएस समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सबसे पहले मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से दिल्ली में कोरोना की मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। सीएम ने सभी को निर्देश दिए कि कोविड प्रबंधन में कहीं कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए और मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज की सुविधा प्रदान किया जाए।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने अधिकारियों के साथ दिल्ली में अधिक से अधिक संख्या में ऑक्सीजन बेड बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को दिल्ली में अधिक से अधिक ऑक्सीजन बेड बढ़ाने पर बल देने का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि देखा जा रहा है कि अस्तपाल में आने वाले अधिकतर मरीजों में ऑक्सीजन स्तर कम पाया जा रहा है। उनको जल्द से जल्द ऑक्सीजन दिया जा सके, जिससे कि उनके स्वास्थ्य में जल्द सुधार आ सके और बेहतर इलाज मिल सके। अधिकारियों ने अवगत कराया कि ऑक्सीजन बेड बढ़ाने पर पूरा ध्यान केंद्रित किया गया है और ऑक्सीजन बेड बढ़ाने का काम त्वरित गति से चल रहा है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन आपूर्ति को लेकर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार का प्रयास है कि दिल्ली को अधिक से अधिक मात्रा में ऑक्सीजन की आपूर्ति मिले। इसके लिए सरकार की तरफ से सभी तरह के प्रयास किए जाएं। समीक्षा बैठक में दिल्ली में दूसरे राज्यों से आ रहे ऑक्सीजन के सिलेंडर पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने सीएम को अवगत कराया कि दिल्ली में नोएडा और राजस्थान से ऑक्सीजन के सिलेंडर आते हैं। नोएडा और राजस्थान से ऑक्सीजन के सिलेंडरों को दिल्ली तक पहुंचने में कई तरह की बांधाओं का सामना करना पड़ता है और जब भी बांधाएं आती है, तब केंद्र सरकार से बात करनी पड़ती है। सीएम ने अधिकारियों को केंद्र सरकार से बात कर इन बांधाओं को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार से बातचीत जारी है और केंद्र से मांग की जा रही है कि नोएडा और राजस्थान से आने वाले ऑक्सीजन के सिलेंडरों बिना किसी बांधा के दिल्ली आने दिया जाए। इससे ऑक्सीजन के सिलेंडरों को दिल्ली में पहुंचने में कम समय लगेगा और लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सकेगी।

आनन्द विहार। अपने घरों को पलायन करते श्रमिक।

प्रवासियों से अपील है कि दिल्ली छोड़ कर न जाएं : सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर बहुत तेजी से बेड बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले 10 से 12 दिनों में तीन गुना से अधिक बढ़ाए गए हैं। आज कोविड अस्पतालों में 18,923 बेड हैं और उसमें से 2426 बेड उपलब्ध हैं। अस्पतालों से अटैच कर कई सेंटर्स में और बेड बढ़ाए जा रहे हैं। दिल्ली कोरोना एप पर उपलब्ध बेड देखे जा सकते हैं। केंद्र सरकार से सभी कंपनियों को रेमडेसिविर आपूर्ति की अनुमति देने की मांग की गई है, ताकि इसकी किल्लत खत्म हो सके। उन्होंने प्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि दिल्ली में बहुत कम दिनों का लॉकडाउन लगा है, दिल्ली छोड़ कर न जाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से स्कूलों और कम्युनिटी सेंटर में वैक्सीनेशन सेंटर खोलने की अनुमति दी जाती है, तो हम दिल्ली में तेजी से वैक्सीनेशन कर पाएंगे।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली में कोरोना के मौजूदा हालात के संबंध में कहा कि कल दिल्ली में 23,686 नए केस आए और सकारात्मकता दर करीब 26 फीसद रही। कल दिल्ली में करीब 90 हजार लोगों के कोरोना टेस्ट किए गए, जो पूरे देश के औसत से 5 गुना अधिक है। दिल्ली के कोविड अस्पतालों में कल तक कुल 18,231 बेड थे, जिसमें से 3 हजार बेड खाली थे। आईसीयू के लगभग 100 बेड उपलब्ध थे। वहीं, आज कोविड अस्पतालो में कुल 18,923 बेड हैं, जिसमें से 2462 बेड उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार और भी बेड बढ़ाने के प्रयास कर रही है। दिल्ली में बहुत तेजी के साथ बेड बढ़ाए जा रहे हैं। प्रतिदिन एक से डेढ़ हजार बेड बढ़ रहे हैं। 8 अप्रैल के आसपास करीब 6 हजार बेड थे, जो आज बढ़ा कर करीब 19 हजार बेड कर दिए गए हैं। दिल्ली सरकार ने पिछले 10-12 दिनों में तीन गुना से भी अधिक बेड बढ़ा दिए हैं। दिल्ली में बहुत ही आश्चर्य जनक तरीके से कोरोना के मामले आए हैं। पिछले तीन-चार दिनों से प्रतिदिन करीब 25 हजार मामले आ रहे हैं। इसी तरह देश में भी करीब ढाई लाख केस प्रतिदिन आ रहे हैं। कॉमनबेल्थ गेम विलेज समेत कई अन्य सेंटर भी कोविड बेड बढ़ाए गए हैं। हम दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों के साथ इन्हें संबद्ध करके बेड बढ़ा रहे हैं। दिल्ली कोरोना एप में कोविड बेड की उपलब्धता को देखा जा सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने वैक्सीनेशन को लेकर कहा था कि हमने केंद्र सरकार से 45 साल के उम्र तक के लोगों के वैक्सीनेशन करने की मांग की थी। हमारी तरह से अनुराध किया गया था कि केंद्र सरकार मान लेगी, तो लोगों के लिए अच्छी बात रहेगी। तीन-चार दिनों के बाद केंद्र सरकार ने हमारी वह मांग मान ली थी और 45 साल की उम्र वालों को भी वैक्सीनेशन की छूट दे दी थी। इसके बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार को पत्र लिख कर 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों का वैक्सीनेशन की अनुमति देने की मांग की थी। इस बार भी हमने कहा था कि यह सिर्फ हमारी तरफ से अनुरोध किया गया है। हम तो ठीक कह रहे हैं, अगर केंद्र सरकार को ठीक लगे, तो मान ले। तब भी मैने कहा था कि यह मांग भी केंद्र सरकार दो-चार दिनों बाद मानेगी और आखिरकार केंद्र सरकार ने 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों के वैक्सीनेशन की एक मई से अनुमति दे दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार वैक्सीनेशन के लिए व्यापक तरीके से तैयारी करेगी। दिल्ली में पहले से ही 500 से अधिक वैक्सीनेशन सेंटर हैं। सेंटर्स को और बढ़ाया जाएगा। केंद्र सरकार से हमने वैक्सीनेशन सेंटर खोलने में भी रियायत देने की मांग की थी। हमने मांग की थी कि स्कूलों और कम्युनिटी सेंटर में वैक्सीनेशन सेंटर खोलने की अनुमति दी जाए। अगर यह अनुमति मिल जाती है, तो हम बहुत तेजी से वैक्सीनेशन कर पाएंगे। हमने वैक्सीन खरीदने के लिए अपने बजट में पैसे का प्रावधान किया है।

1502 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश कर एक आरोपी मुजफ्फरनगर, यूपी निवासी आस मोहम्मद उर्फ आसू (35) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ट्रक चलाता है और सामान लेकर ओडिशा व आंध्रप्रदेश जाता था। वहां से वापसी में केले आदि के बीच में मारिजुआना (गांजा) छिपाकर लाता था। आरोपी के कब्जे से 43 प्लास्टिक बैग में रखा 1502 किलो गांजा बरामद किया गया है। भारतीय बाजार में इसकी कीमत 1.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। वहीं अपराध शाखा की एसटीएफ ने भी सोमवार को दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 445 किलो गांजा बरामद किया है।

ऐप पर गलत जानकारी दिखाने वाले अस्पतालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : सिसोदिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जनता को संबोधित किया और पैनिक न करते हुए लॉकडाउन का सही ढंग से पालन करने की अपील की। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली के अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 2 हफ़्तों में दिल्ली में कोरोना बेड्स की संख्या 3 गुणा तक बढ़ाई गई है। 3 अप्रैल 2021 को दिल्ली में कोरोना बेड्स की संख्या 6071 थी जो आज 20 अप्रैल को 19101 है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार कोरोना बेड्स बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है और आने वाले 4-5 दिनों में दिल्ली के अस्पतालों में 2700 नए बेड्स बढ़ा दिए जाएंगे। बुराड़ी अस्पताल में अभी 320 बेड्स मंजूर है जिनकी संख्या 800 की जाएगी। अम्बेडकर नगर अस्पताल में बेड्स की क्षमता 200 से 600 की जाएगी। दीनदयाल अस्पताल में बेड्स 250 से बढ़ाकर 750 किए जाएंगे। आचार्य भिक्षु अस्पताल और उफ्रळ्ळ के कोरोना सेंटर में 250-250 नए बेड्स शामिल किए जाएंगे। नरेला के राजा

हरिश्चंद्र अस्पताल में बेड्स की संख्या 200 से 400 की जाएगी। साथ ही दिल्ली सरकार के एक स्कूल को एलएनजेपी अस्पताल से जोड़ा जाएगा जिसमें 125 बेड्स शामिल होंगे और कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में 500 बेड्स का सेन्टर तैयार किया जाएगा। ये सभी बेड्स आगामी 4-5 दिनों में तैयार कर दिए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि अभी भी दिल्ली में करीब 2500 बेड्स खाली है। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से पैनिक न होने और लॉकडाउन के सभी नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोरोना होने पर लोग डरकर अस्पताल की ओर न भागे बल्कि होम आइसोलेशन को अपनाए। होम आइसोलेशन कोरोना से लड़ने का सबसे कारगर उपाय है। होम आइसोलेशन के दौरान डॉक्टर नियमित रूप से लोगों से फोन पर संपर्क में रहते है। यदि तेज बुखार आता है या सिम्पटम्स ज्यादा बढ़ते है तभी अस्पतालों में जाए। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अस्पताल जाने से पहले दिल्ली कोरोना ऐप पर अस्पतालों में बेड्स की स्थिति जांच ले और जहां बेड्स मौजूद हो वहां जाए इससे समय बचेगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई अस्पताल ऐप पर गलत जानकारों दिखा रहा है या फिर बेड्स होने के बाबजूद लोगों को मना कर रहा है तो उस अस्पताल के खिलाफ कड़ी करवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे डॉक्टर और बाकी मेडिकल स्टाफ दिन-रात काम करके अपनी जान पर खेल कर मरीजों की जान बचा रहे है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि उनका सहयोग करे। गौरतलब है कि नोडल हेल्थ मिनिस्टर का पद संभालने के बाद से दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया लगातार दिल्ली के अस्पतालों का दौरा कर कोरोना संबंधित व्यवस्था का जायजा ले रहे है।

पहली बार मिले 28395 संक्रमित, 277 की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना वायरस की चौथी लहर का सामना करने वाली दिल्ली में रिकॉर्ड तोड़ संक्रमित मरीज सामने आ रहे हैं। पहली बार एक दिन में 28395 लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि 277 लोगों की मौत हुई है। इतना ही नहीं राजधानी में कोरोना की जांच में भी भारी कमी देखने को मिल रही है। बीते 14 अप्रैल को एक दिन में 1.08 लाख नमूनों की जांच हुई थी लेकिन पिछले एक दिन में 86 हजार नमूनों की जांच हुई। पहली बार दिल्ली में संक्रमण दर 32 फीसदी पार हुई है। इससे पहले नवंबर 2020 में जब दिल्ली तीसरी लहर का सामना कर रही थी, उस दौरान संक्रमण दर 30 फीसदी तक पहुंच गई थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पिछले एक दिन में 86526 नमूनों की जांच में 32.82 फीसदी कोरोना संक्रमित मिले हैं। कुल 28395 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 277 लोगों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस बीच राहत की खबर है कि 19430 मरीजों को स्वस्थ घोषित किया गया। इसी के साथ ही कुल संक्रमित मरीजों की संख्या नौ लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। कुल 9,05,541 में से अब तक 8,07,328 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं 12638 लोगों की मौत हो चुकी है।

दिल्ली में कोरोना की मृत्युदर अभी भी 1.40 फीसदी है जोकि राष्ट्रीय औसत 1.18 फीसदी की तुलना में काफी अधिक है। हर दिन नए मामले अधिक आने से सक्रिय मरीज भी बढ़कर 85575 हो चुके हैं। इनमें 40124 मरीज अपने घरों में आइसोलेशन में हैं। विभाग ने बताया कि दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या भी अब 17151 हो चुकी है। वहीं मंगलवार को एंबुलेंस के लिए 1282 फोन लिए गए।

दिल्ली के कई सरकारी और निजी अस्पतालों को मिली ऑक्सीजन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के बीच ऑक्सीजन संकट से भी जूझ रहे दिल्ली के कुछ बड़े सरकारी और निजी अस्पतालों को बुधवार सुबह ऑक्सीजन की नई खेप मिल गई है। समय रहते ऑक्सीजन की आपूर्ति होने से बड़ा संकट टल गया। गंगाराम अस्पताल को निजी विक्रेताओं से तड़के तीन बजे से पहले 4,500 घन मीटर ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई। एक अधिकारी ने बताया कि अस्पताल को बाद में एक अन्य विक्रेता से 6,000 घन मीटर ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई। यह भंडार गुरुवार सुबह नौ बजे तक चलने की संभावना है। अस्पताल में सभी 132 आईसीयू बेड पर मरीज हैं। गैर आईसीयू के 487 बेड में से सिर्फ तीन खाली हैं।

गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि एक कंपनी से भेजा गया ऑक्सीजन का ट्रक देर रात करीब डेढ़ बजे उनके पास पहुंचा। लोक नायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि एक विक्रेता से भेजा गया ऑक्सीजन का ट्रक तड़के तीन बजे अस्पताल पहुंचा। एलएनजेपी और जीटीबी में 400-400 बेड हैं और सभी पर मरीज हैं। वहीं, अंबेडकर अस्पताल को सुबह पांच बजे ऑक्सीजन की ताजा आपूर्ति हुई। यह आपूर्ति 24 घंटे तक चलेगी। दिल्ली के अस्पतालों में आईसीयू बेड तेजी से भर रहे हैं। दिल्ली सरकार के कोरोना ऐप के अनुसार, राजधानी के सरकारी और निजी अस्पतालों में सिर्फ 28 बेड कोरोना वायरस के मरीजों के लिए उपलब्ध हैं।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को रात 10 बजकर 20 मिनट पर इमरजेंसी मैसेज भेजकर बताया था कि जीटीबी अस्पताल में ऑक्सीजन का भंडार चार घंटे से अधिक नहीं चल पाएगा। उन्होंने मंगलवार की रात ट्वीट किया, कोरोना वायरस से संक्रमित 500 से अधिक मरीज ऑक्सीजन पर हैं।

एक सप्ताह के भीतर पीक पर पहुंच सकते हैं कोरोना के मामले

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में बेकाबू होते कोरोना संक्रमण के मामलों के बीच एक राहत भरी खबर आयी है। चिकित्सा विशेषज्ञों ने कहा है कि एक हफ्ते के अंदर संक्रमण चरम पर पहुंच सकता है। पॉजिटिविटी दर 50 फीसद तक भी पहुंच सकती है, लेकिन उसके बाद दिल्ली में कोरोना के मामले कम होने शुरू होंगे। अप्रैल के अंत तक कोरोना संक्रमण के मामले घटने लगेंगे एवं मई के दूसरे हफ्ते तक स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर हो जाएगी। हालांकि इसके लिए मास्क लगाना, शारीरिक दूरी समेत कोरोना प्रोटोकाल का सख्ती से पालन करना होगा।

दिल्ली के नामी सफदरजंग अस्पताल के सामुदायिक आयुर्विज्ञान विभाग के डॉ. युगल किशोर ने दैनिक जागरण से बातचीत के दौरान बताया कि फरवरी महीने में कराए गए सीरो सर्वे में दिल्ली की 50 फीसद आबादी के पहले ही कोरोना वायरस के संपर्क में आ चुके होने की बात कही थी। इनके दोबारा संक्रमित होने के मामले न के बराबर आ रहे है।

दिल्ली पुलिस आयुक्त ने कहा, लॉकडाउन के उल्लंघन पर दर्ज किया जाए केस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने लॉक डाउन का सख्ती से पालन करवाने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई जरूरी कारण बिना घर से बाहर निकलता है तो उसके खिलाफ तुरंत केस दर्ज किया जाए। दिल्ली पुलिस आयुक्त ने अधिनस्थ पुलिस अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक कर लॉक डाउन के पहले दिन की समीक्षा की और रेलवे स्टेशन व बस अड्डों पर बढ़ रही भीड़ को लेकर जमीनी हकीकत को जाना। पुलिस आयुक्त ने आवश्यक सेवाओं और वस्तुओं को सुगम बनाने की आवश्यकता पर जोर दते हुए निर्देश दिया है कि वाहनों और सड़कों पर लोगों के अनावश्यक आवागमन पर अंकुश लगाया जाए। उन्होंने कहा कि विनम्र लेकिन दृढ़ रहें। सड़कों पर पिकेट्स की सख्ती से जांच करने के अलावा, लोगों को कोविद कर्फ्यू का पालन करने के लिए कॉलोनियों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में घोषणा करें। घर से बाहर आने वाले किसी भी व्यक्ति को पुलिस कर्मियों द्वारा निश्चित रूप से जांच की जाएगी और पूछताछ की जाए। दवा की दुकानों, सब्जी की दुकानों आदि जैसी आवश्यक सेवाओं में सामाजिक दूरी का पालन करवाना सुनिश्चित करवाएं। लॉकडाउन का सख्ती से पालन करवाया जाए।पुलिस आयुक्त ने पुलिसकर्मियों को अपनी सुरक्षा का भी ध्यान रखने को कहा है।

पिकेट में छोटे-छोटे ग्रुप में पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं। उन्होंने कहा कि मुसीबत के इस समय में हर कोई पुलिस से सहायता मांग रहा है। लोग इस तरह की सहायता मांग रहे है जिनसे पुलिस का कोई मतलब नहीं है। ऐसे में भी लोगों की सहायता करनी है। दिल्ली पुलिस की कोविड हेल्पलाइन नंबर 011-24369900 पर हर रोज हजारों कॉल आ रही हैं। ऐसे में लोगों की हरसंभव सहायता की जाए। दिल्ली पुलिस ने एक बार फिर इंसानियत की मिसाल कायम की है। सोमवार रात पश्चिम विहार स्थित बालाजी एक्शन अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी हो गई थी। ऑक्सीजन पहुंचाने वाले टैंकर बॉर्डर पर जाम में फंस गए थे। ऐसे में सूचना मिलते ही पश्चिम विहार थाना पुलिस बॉर्डर तक पहुंची और ग्रीन कॉरिडोर बनाकर ऑक्सीजन टैंकर को समय रहते अस्पताल पहुंचाकर 235 कोरोना संक्रमित मरीजों की जान बचा ली। अस्पताल प्रशासन ने दिल्ली पुलिस को इसके लिए आभार व्यक्त किया और पुलिस अधिकारियों के काम की जमकर तारीफ की है। सोमवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे पश्चिम विहार स्थित एक्शन बालाजी अस्पताल के लिक्विड गैस टैंक में ऑक्सीजन का लेबल कम हो गया। अस्पताल में भर्ती 235 मरीज ऑक्सीजन के सपोर्ट पर थे। ऑक्सीजन की कमी की वजह से अस्पताल के प्रशासन की बेचैनी बढने लगी। उन्हें पता चला कि नाइट कर्फ्यू की वजह से अस्पताल आ रहा ऑक्सीजन टैंकर फरीदाबाद और दूसरा नोएडा के परी चौक पर फंस गया है। एक टैंकर में 14 हजार लीटर और दूसरे में 5500 लीटर ऑक्सीजन थी। देरी की वजह से मरीजों की जान खतरे में पड़ गई।

तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर से नेता बने शहाबुद्दीन को हुआ कोरोना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद राजद के पूर्व सांसद और बाहुबली शहाबुद्दीन भी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। कोविड-19 के लक्षण दिखने के बाद शहाबुद्दीन का कोरोना टेस्ट करवाया गया था और जिसमें उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। तिहाड़ जेल प्रशासन ने शहाबुद्दीन को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। तिहाड़ जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है।हत्या के मामले में तिहाड़ जेल में आजावीन कारावास की सजा काट रहे पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के खिलाफ तीन दर्जन से अधिक आपराधिक मामले चल रहे हैं। 15 फरवरी 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बिहार की सीवान जेल से तिहाड़ लाने का आदेश दिया था।

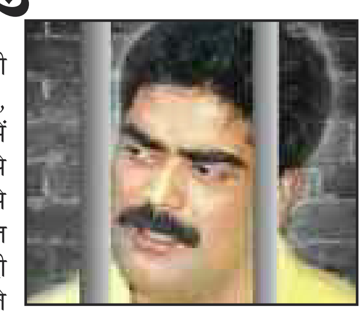

बता दें कि एशिया की सबसे बड़ी तिहाड़ जेल, मंडोली और रोहिणी जेल में कोरोना के मामले फिर से बढ़ने शुरू हो गए हैं। इसे लेकर कोरोना संक्रमित कैदियों की स्क्रीनिंग बढ़ा दी गई है। नए आने वाले कैदियों को क्वारंटाइन करने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। तिहाड़ जेल के डीजी संदीप गोयल का कहना है कि 16 मार्च 2021 से 14 अप्रैल 2021 तक कुल 70 कैदी कोरोना संक्रमित हुए थे, इनमें से तीन अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं। गत मई 2020 से फरवरी 2021 तक 120 कैदी संक्रमित हुए थे और 118 पूरी तरह से स्वस्थ हो गए, जबकि दो कैदियों की मौत हो गई थी। इसी दरम्यान जेल के 293 अधिकारी और कर्मचारी कोरोना संक्रमित हुए थे और सभी पूरी तरह से ठीक हो गए थे। तिहाड़ जेल के अधिकारी अब हाई अलर्ट पर हैं और जेल के अंदर कोरोना संक्रमण कैसे फैल रहा है इसका पता लगाने में जुट गए हैं। शहाबुद्दीन को तिहाड़ में एकदम अलग बैरक में रखा गया है। उस बैरक में शहाबुद्दीन के अलावा कोई दूसरा कैदी नहीं है।

संपादकीय

ताकि शिक्षा का स्तर गिरने न लगे

कोरोना की मार से कोई भी क्षेत्र बच नहीं पाएगा। भारत की उच्च शिक्षा इससे अभी तक उबर नहीं पाई है। अब सामने फिर संकट खड़ा हो गया है। सीबीएसई द्वारा 12वीं की परीक्षाओं को स्थगित करने और 10वीं की परीक्षाओं को निरस्त करने के फैसले के बाद भारत की उच्च शिक्षा और डिग्री कक्षाओं में दाखिले की व्यवस्था पर अनिश्चितता और संकट के बादल छाते दिखते हैं। यह फैसला इतना महत्वपूर्ण था कि प्रधानमंत्री मोदी को भी इस पर होने वाले विमर्श में शामिल होना पड़ा। सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाओं में कुल मिलाकर, 35 लाख विद्यार्थी बैठते हैं। देश के राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों की बोर्ड परीक्षाओं में करोड़ों छात्र बैठते हैं। इन सभी माध्यमिक शिक्षा बोर्डों को अब फैसला लेना होगा कि वे परीक्षाएं लेंगे या नहीं और अगर लेंगे, तो कब लेंगे। यह फैसला लेना आसान नहीं होगा। इसे लेने में एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खाई जैसी स्थिति है। कोरोना की खतरनाक दूसरी लहर ठीक ऐसे वक्त पर आई है, जब 12वीं पास करके करोड़ों विद्यार्थियों को अपने भविष्य का रास्ता चुनना है। देश के तमाम राज्यों के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड भी सीबीएसई के फैसले को एक मॉडल मानकर या तो 12वीं की परीक्षाएं स्थगित करेंगे या फिर स्थिति अनुकूल होने की दशा में परीक्षाएं संचालित करने की तिथि घोषित करेंगे। क्या गारंटी है कि 1 जून तक कोरोना की खतरनाक दूसरी लहर थम जाएगी और जून-जुलाई में परीक्षाएं हो पाएंगी? अभी तक हम यह नहीं सोच पाए हैं कि 16 वर्ष और उससे अधिक आयु के युवाओं को वैक्सीन देनी चाहिए या नहीं, जबकि अमेरिका एवं यूरोपीय देशों में स्कूली व विश्वविद्यालय छात्रों को वैक्सीन लगाने पर गंभीर विचार किया जा रहा है। 12वीं की परीक्षाएं जून-जुलाई में आयोजित करने पर यह खतरा सामने आएगा कि कहीं लाखों युवा विद्यार्थी परीक्षा केंद्रों पर कोविड संक्रमण के शिकार न हो जाएं। क्या हम सभी विद्यार्थियों को वैक्सीन नहीं लगा सकते?

अगले दो-तीन महीने में इंजीनियरिंग, मेडिकल और लॉ की अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाएं भी होनी हैं। देखते हैं, कोरोना की दूसरी लहर इनके आयोजन पर क्या असर डालती है? अगर 12वीं की परीक्षाएं आयोजित नहीं हो पाएंगी, तो पिछले दो वर्षों के आंतरिक मूल्यांकन का सहारा लेकर रिजल्ट बनाए जा सकते हैं। पिछले एक साल से सारी पढ़ाई ऑनलाइन आधार पर हुई। इस पढ़ाई में डिजिटल असमानता का गहरा असर दिखाई दिया था। 12वीं के विद्यार्थियों का बहुत बड़ा वर्ग ऐसा था, जिसके पास घर में कंप्यूटर, लैपटॉप और स्मार्टफोन नहीं थे। जो अन्य बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित थे। पिछले एक साल के आंतरिक मूल्यांकन को आधार बनाने से निम्न मध्यवर्ग और गरीब परिवारों के बच्चे निस्संदेह दाखिले की दौड़ में पीछे रह जाएंगे। बिल गेट्स का कहना है कि यह महामारी वर्ष 2022 के अंत तक हमारा पीछा नहीं छोड़ेगी। कोविड इस सदी की आखिरी महामारी नहीं है। क्या हमें अपनी शिक्षा-व्यवस्था में ऐसे बदलाव नहीं करने चाहिए, जो उसे आपदाओं और महामारियों का मुकाबला करने के लिए सक्षम बना सकें? क्या हमारे स्कूलों, कॉलेजों व यूनिवर्सिटियों के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को आपदा-प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित नहीं किया जाना चाहिए? क्या शिक्षा परिसरों का ढांचा इस तरह नहीं बनाना चाहिए कि महामारी व प्राकृतिक आपदा की स्थिति में भी पढ़ाई-लिखाई में कोई बाधा न पैदा हो? क्या कॉलेज परिसरों में सामान्य बीमारियों से बचाव की स्वास्थ्य सेवाएं हर समय उपलब्ध नहीं होनी चाहिए? दर्जनों आईआईटी, एनआईटी व आईआईएम संस्थानों में कोविड के बढ़ते प्रकोप से तो यही जाहिर होता है कि हमारे परिसरों में आपदा प्रबंधन न के बराबर है। कोविड-19 की महामारी ने हमारी स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा की एक बड़ी कमजोरी की ओर इशारा किया है, वह है वार्षिक परीक्षाओं पर अत्यधिक निर्भरता। 21वीं सदी के शिक्षा शास्त्र के अनुसार, विद्यार्थियों के मूल्यांकन की यह प्रणाली अपनी अर्थवत्ता खो चुकी है। आधुनिक शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार, वर्ष के अंत में खास अवधि के दौरान लाखों विद्यार्थियों की परीक्षा लेना इनके मूल्यांकन का सही तरीका नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में जिन परीक्षा सुधारों की सिफारिश की गई है, उनमें वर्ष भर चलने वाले मूल्यांकन पर जोर दिया गया है। इसमें कक्षा-कार्य, गृहकार्य, मासिक टेस्ट, प्रोजेक्ट वर्क आदि शामिल हैं। बोर्ड परीक्षाएं युवा विद्यार्थियों के मूल्यांकन का श्रेष्ठ तरीका नहीं हैं। साल भर की पढ़ाई-लिखाई का तीन घंटे की परीक्षा द्वारा किया गया मूल्यांकन कई जोखिमों से भरा है। बोर्ड की परीक्षाएं हमारे किशोर विद्यार्थियों पर मशीनी ढंग से रट्टा लगाने, ट्यूशन पढ़ने और किसी भी तरह ज्यादा से ज्यादा मार्क्स लाने का मनोविज्ञानिक दबाव पैदा करती हैं। इसने स्कूलों की पढ़ाई की जगह एक अति-संगठित ट्यूशन उद्योग को जन्म दिया है, जो अभिभावकों पर लगातार बोझ बनता जा रहा है। विश्लेषण क्षमता, रचनात्मकता, नेतृत्वशीलता, नवाचार जैसे गुणों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। युवाओं के मानसिक व शारीरिक विकास केलिए यह घातक है। परीक्षाफल निकलने पर हर साल होने वाली आत्महत्याएं इसका प्रमाण हैं। बोर्ड परीक्षाओं के मौजूदा स्वरूप को बुनियादी ढंग से बदलने का वक्त आ गया है। हमें साल भर चलने वाले सतत मूल्यांकन को अपनाना होगा, जिसमें विद्यार्थियों की प्रतिभा और परिश्रम का बहुआयामी मूल्यांकन हो सके। भविष्य में भी आपदाओं व महामारियों के कारण शिक्षा परिसरों को बंद करना पड़ सकता है। कई कारणों से ऑनलाइन शिक्षण और परीक्षाएं करनी पड़ेंगी। हमें हर शिक्षक, विद्यार्थी को लैपटॉप, पीसी या टैबलेट से लैस करना पड़ेगा। हर घर में इंटरनेट की व्यवस्था होनी चाहिए। कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में प्रवेश की मौजूदा प्रक्रिया गरीबों व धनवानों के बच्चों में भेद नहीं करती। क्या हमें साधनहीन, पिछड़े वर्गों और क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश में अलग से प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए? जेएनयू व कुछ केंद्रीय विश्वविद्यालयों में इस प्रगतिशील प्रवेश व्यवस्था के अच्छे परिणाम निकले हैं। यह दुर्भाग्य की बात है कि अभी तक अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा सभी को देना हमारे देश की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है।

प्रवीण कुमार सिंह

'समग्र शिक्षा' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे सरकारी पहल को डिजिटल माध्यम से आगे बढ़ने की जरूरत

कोरोना महामारी के समय में घर बैठे डिजिटल माध्यम से पढ़ाई के तरीकों ने फिर से इस तरह की पद्धति के बारे में सोचने को मजबूर कर दिया है। दूसरा महत्वपूर्ण सवाल जो पिछले साल से काफी चर्चा में रहा है वह है, डिजिटल शिक्षा का फेस-टू-फेस शिक्षा के विकल्प के रूप में उभरना। हालांकि शिक्षा का डिजिटल माध्यम से प्रसार फेस-टू-फेस शिक्षा के प्रसार का विकल्प साधारण समय में कदापि नहीं हो सकता। परंतु कोरोना महामारी जैसी भविष्य में आने वाली ऐसी कई विषम परिस्थितियों से लड़ने में जरूर सहायक साबित होगा। भारत के जिन इलाकों में इंटरनेट से नहीं पहुंचा जा सकता है, वहां टीवी और रेडियो के माध्यम से जरूर पहुंचा जा सकता है। इसी उद्देश्य से ई-विद्या नामक शिक्षा मंत्रलय द्वारा शुरू की गई इस पहल का प्रचार करने की और उसे और मजबूत बनाने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री से संवाद पर आधारित 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम पहली बार डिजिटल माध्यम से आयोजित हुआ। यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री को छात्रों की कितनी फिक्र है और उन्हें डिजिटल क्रांति पर कितना भरोसा है। कोरोना महामारी ने भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में स्वास्थ्य के साथ-साथ शिक्षा को भी झकझोर कर रख दिया। विकसित देशों में जहां डिजिटल माध्यम का पहले से ही काफी हद तक विस्तार हो चुका था, भारत में इस तरह की शिक्षा शुरुआती दौर से ही गुजर रही थी।

हालांकि 'समग्र शिक्षा' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे सरकारी पहलों ने डिजिटल माध्यम से शिक्षा को आगे बढ़ने की बात जरूर कही थी, परंतु जमीनी तौर पर और व्यापक रूप में इसका विकास नहीं हो पाया था। शिक्षा मंत्रलय (तब का मानव संसाधन विकास मंत्रलय), भारत सरकार द्वारा चलाए जाने वाले 'स्वयं' (स्कूली और उच्च शिक्षा के लिए ऑनलाइन कोर्सेज का प्लेटफॉर्म) और 'स्वयं प्रभा' (डीटीएच टीवी चैनलों का नेटवर्क) जिनकी शुरुआत 2017 और 2016 में हुई थी, ने डिजिटल माध्यम की शिक्षा प्रणाली को आगे तो बढ़ाया था, किंतु इनका प्रचार-प्रसार और विकास भी सिलसिलेवार ढंग से नहीं हो पाया था। नतीजा यह हुआ कि 2020 में कोरोना महामारी के दौरान स्कूल-कॉलेजों के अचानक बंद होने पर शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी खाई महसूस की जाने लगी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत पीएम ई-विद्या 'वन क्लास वन चैनल' की शुरुआत मई, 2020 में की।

पीएम ई-विद्या, भारत सरकार द्वारा एक ऐसी पहल है जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में टीवी, रेडियो और इंटरनेट पर आधारित माध्यमों का

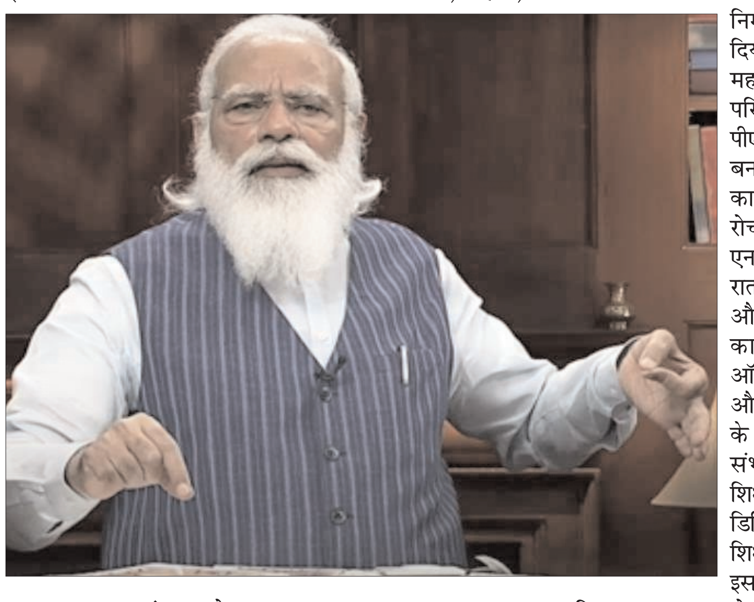

एक अनूठा सामंजस्य देखा जा सकता है। इस पहल में एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम पर आधारित कक्षा एक से 12वीं तक के लिए वीडियो और ऑडियो कार्यक्रम विकसित किए जा रहे हैं। जहां वीडियो कार्यक्रम टीवी के माध्यम से प्रसारित हो रहे हैं, वहीं ऑडियो कार्यक्रम रेडियो के माध्यम से। साथ ही, ये सारे वीडियो और ऑडियो कार्यक्रम इंटरनेट पर आधारित दीक्षा प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि शिक्षार्थी कहीं भी कभी भी इन ई-कंटेंट का लाभ अपने पठन-पाठन के लिए उठा सकें।

शिक्षार्थियों को यह जानकर अच्छा लगेगा कि पीएम ई-विद्या के तहत हर कक्षा के लिए एक अलग यानी कक्षा एक से 12वीं तक के लिए 12 टीवी चैनल हैं। इन चैनलों पर हर कक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित वीडियो कार्यक्रम के साथ-साथ कला, कहानी, योग और सामान्य जागरूकता पर आधारित कार्यक्रम भी दिखाए जाते हैं। इनका उद्देश्य शिक्षार्थियों की रुचि बनाए रखने के साथ-साथ उनका सर्वांगीण विकास भी है। इन चैनलों को डीटीएच टीवी, डीडी फ्री डिश के साथ-साथ एकाध अन्य टीवी एप पर भी देख सकते हैं। एक दिलचस्प बात जानने वाली ये है कि पाठ्यक्रम-आधारित इन सारे वीडियो कार्यक्रमों में क्यूआर कोड लगे हैं जिन्हें दीक्षा एप से स्कैन करने पर अपनी सुविधा के हिसाब से दीक्षा वेबपोर्टल पर भी देख सकते हैं।

जिस प्रकार कोरोना महामारी ने दुनिया के सभी देशों को मानवता की सुरक्षा के लिए एकजुट होकर लड़ने की क्षमता प्रदान की उसी तरह स्कूली शिक्षा के लिए एनसीईआरटी, एनआइओएस, सीबीएसई, केंद्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति जैसे संस्थानों ने विभिन्न प्रकार से क्षमता निर्माण में योगदान दिया है। कोरोना महामारी की विषम परिस्थितियों में भी पीएम ई-विद्या के तहत बनने वाले कार्यक्रमों का प्रोडक्शन भी कुछ रोचक तरीके से हुआ। एनसीईआरटी में दिन-रात काम चलता रहा और करीब 1,500 कार्यक्रम (वीडियो-ऑडियो) अकादमिक और टेक्निकल लोगों के योगदान से बनना संभव हुआ। स्कूली शिक्षा में शिक्षार्थियों को डिजिटल माध्यम से शिक्षा प्रदान करने में इस तरह का यह एक अनुकरण योग्य प्रयास है। इन कोशिशों के लिए शिक्षा जगत से जुड़े सभी लोग बधाई के पात्र हैं जिन्होंने निरंतर शिक्षा को हर जनसाधारण तक पहुंचाने का सपना देखा है।

स्कूल-कॉलेजों के इतने लंबे समय तक बंद रहने और डिजिटल माध्यम से पठन-पाठन ने कुछ महत्वपूर्ण सवालों को हमारे सामने लाकर खड़ा कर दिया है। पहला सवाल है कि क्या हम 'वर्क फ्रॉम होम' की ही तरह होम स्कूलिंग जैसी शिक्षा की ओर अग्रसर हो रहे हैं? यहां याद करने वाली बात यह है कि पुराने जमाने में कई जगहों पर, खासकर महिलाओं के लिए घर में ही शिक्षा प्राप्त करने की बातों का उल्लेख मिलता है। जैसे-जैसे फॉर्मल स्कूलिंग का विस्तार हुआ, वैसे-वैसे घर में शिक्षा प्राप्त करने की पद्धति खत्म होती गई। कोरोना महामारी के समय में घर बैठे डिजिटल माध्यम से पढ़ाई के तरीकों ने फिर से इस तरह की पद्धति के बारे में सोचने को मजबूर कर दिया है। दूसरा महत्वपूर्ण सवाल जो पिछले साल से काफी चर्चा में रहा है वह है, डिजिटल शिक्षा का फेस-टू-फेस शिक्षा के विकल्प के रूप में उभरना। हालांकि शिक्षा का डिजिटल माध्यम से प्रसार फेस-टू-फेस शिक्षा के प्रसार का विकल्प साधारण समय में कदापि नहीं हो सकता। परंतु कोरोना महामारी जैसी भविष्य में आने वाली ऐसी कई विषम परिस्थितियों से लड़ने में जरूर सहायक साबित होगा। भारत के जिन इलाकों में इंटरनेट से नहीं पहुंचा जा सकता है, वहां टीवी और रेडियो के माध्यम से जरूर पहुंचा जा सकता है। इसी उद्देश्य से ई-विद्या नामक शिक्षा मंत्रलय द्वारा शुरू की गई इस पहल का प्रचार करने की और उसे और मजबूत बनाने की जरूरत है। नगरीय इलाकों के साथ-साथ सुदूर और पिछड़े इलाकों से आइवीआरएस नंबर पर बच्चों और उनके संबंधियों के फोन कॉल्स और ईमेल के माध्यम से आए फीडबैक ये बताते हैं कि वे इन कार्यक्रमों से लाभान्वित हो रहे हैं। बस जरूरत है इनके और प्रचार-प्रसार की।

टीवी के हिंदी धारावाहिकों से कोरोना वायरस ने ली शिक्षा जल्दी मत निपटाओ

मैं पिछले साल ही डर रहा था, क्योंकि कोविड नामक महामारी का नाम 'क' से शुरू होता है। तमाम धारावाहिकों से हमने यह सीखा है 'क' अक्षर से शुरू होने वाला सीरियल जल्द समाप्त नहीं होता। 'कुमकुम भाग्य', 'कहानी घर-घर की' से लेकर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' तक यह सिलसिला कायम रहा। अब कोरोना सीजन टू शुरू हो गया है। लगता है कि एकता कपूर के धारावाहिकों से कोरोना ने विकट शिक्षा ले ली है कि जल्दी मत निपटाओ। फंसाए रहो। लहरें गिनी जा रही हैं, दिल्ली में एक और लहर आ गई है। सरकारों की कमाई कम हो रही है। एक बार फिर शराबियों का आसरा है। खूब पियें और कर संग्रह बढ़ाएं। शराबी टैक्सपेयर और खोटा सिक्का कभी न कभी काम आ जाता है। शराबियों से उम्मीदें ही उम्मीदें हैं। कहीं दोबारा लॉकडाउन न लग जाए, इस आशंका में कई शराबियों ने स्टॉक जमा करना शुरू कर दिया है। शराबी अपने स्टॉक को लेकर बहुत चिंतित रहते हैं। पिछले साल जब लॉकडाउन शुरू हुआ था, तब मैं परेशान था कि आटे का दस-पंद्रह किलो का स्टॉक घर में है या नहीं? पड़ोस के वरिष्ठ शराबी चिंतित थे कि दो महीने का स्टॉक है या नहीं? शराबियों के लेवल अलग होते हैं। आम आदमी आटे की चिंता में घुलता है, पर शराबी इस सबसे ऊपर उठ जाता है।

सीजन टू सामने है। एक फिल्मकार कह रहे थे कि कोरोना पर फिल्म बनाने का प्लान है, पर क्या पता कि फिल्म आते-आते कोरोना खत्म हो जाए। बात में दम है। बंदा इन्वेस्ट करे और रिजल्ट आने से पहले ही कोरोना चला जाए। कोरोना गया नहीं, जम गया है। क्या करें, इम्युनिटी बढ़ाते-बढ़ाते एक साल हो गया। काढ़ा कब तक पीना है, यह सवाल उसी तरह का हो गया है कि गरीबी कब हट जाएगी। कम इम्युनिटी वाला बंदा घर में चुपचाप पड़ा रहता है। इम्युनिटी बहुत बढ़ जाए तो बंदा कई तरह की खुराफातें करने लग जाता है। एक दादाजी की इम्युनिटी बहुतै मजबूत हो गई तो उन्होंने मुसीबत खड़ी कर दी। वह रोज डपटने लगे-फ्रिज में वह वाला दूध तीन दिन से रखा है और वह वाली दाल चार दिन से रखी है-टाइप बयान जारी करने लगे। कोरोना ने पहले ही आफत कर रखी है। वर्क फ्रॉम होम में दिन भर पति और पत्नी को एक दूसरे को झेलने का अभ्यास करना पड़ा है।

कोरोना ने बहुत तरह की आफत कर दी है। सिनेमाहॉल की जगह मोबाइल और घर के टीवी-लैपटॉप ने ले ली है। उस पर आने वाली सामग्री में भयंकर गाली-गलौज होती है। अब नए सीरियलों में तभी काम मिलता है, जब बंदा प्रति मिनट पचास गालियां मुंह से निकाल सके। क्या-क्या दिन देखने पड़ रहे हैं। साधु संतों के रोल करने वाले अभिनेता गालियों का रियाज कर रहे हैं। गालियां भी बहुत रचनात्मक टाइप की। वहीं नए दौर के अध्यापक कोरोना काल की ऑनलाइन पढ़ाई से एडजस्ट कर रहे हैं, मगर पुराने मास्टरों के जेहन में एक सवाल तैरता रहता है। तीन दशक पहले रिटायर हुए एक मास्टरजी ने पूछा-ऑनलाइन पढ़ाई में क्या खाक पढ़ाई होती है? जब तक बच्चे के कान न उमेठो तो क्या खाक पढ़ाया? ऑनलाइन कान उमेठो या ऑनलाइन चपत लगाने का सॉफ्टवेयर अभी न आया। अच्छा हुआ ये मास्टरजी पहले ही रिटायर हो लिए, वरना अब बड़ी दिक्कत में होते। इधर वैक्सीन अभियान भी शुरू हो गया है। वैक्सीन लगवाइए। पहली डोज, दूसरी डोज और अभी तीसरी बूस्टर डोज की भी चर्चा है। ऐसा रहा तो चौथी-पांचवीं बूस्टर डोज भी आ ही जाएगी। खबरों में फिर कोरोना है। कोरोना यूं ही लंबा चल जाए, तो फिर स्पेशलिस्ट किस्म के बाबा भी कोरोना में डील करने लग जाएंगे। अभी बाबा फेसबुक झाड़ने के लेवल पर तो आ गए हैं। बंदा या बंदी दिन-रात फेसबुक में फंसे रहें तो उनके सिर से फेसबुक का भूत झाड़ने वाले बाबा हैं, लेकिन अभी तक कोरोना के स्पेशलिस्ट बाबा न आ पाए हैं। बाबा आएंगे। बाबा दरअसल नेताओं की तरह होते हैं। कर कुछ भी न पाएं, हल कुछ भी न दे पाएं, पर हल का वादा दे जाते हैं। कोरोना अगर नेताओं के वादे से सॉल्व होना होता तो गरीबी हटाओ की तरह कोरोना हटाओ का नारा ही चल रहा होता। उत्तर भारतीय कोरोना बनाम महाराष्ट्रीय कोरोना-टाइप बवाल मच रहे होते।

कोरोना वैक्सीनः सभी वयस्कों के लिए

एक मई से शुरू हो रहे टीकाकरण अभियान के तीसरे फेज में किए गए बदलाव बेहद अहम हैं। ये बदलाव महामारी की दिनोदिन गंभीर होती चुनौती के मद्देनजर इस अभियान को व्यापक रूप देने में खास तौर पर मददगार होंगे। 18 वर्ष की उम्र से ऊपर के सभी लोगों को टीकाकरण के दायरे में लाना इसलिए भी आवश्यक था क्योंकि कोरोना की इस दूसरी लहर की चपेट में आने वालों में अच्छी खासी तादाद युवाओं की है। वैक्सीनेशन के पहले दोनों फेज में क्रमशः फ्रंटलाइन वॉरियर्स और 60 तथा 45 साल से ऊपर के लोगों को प्राथमिकता देने के पीछे कहीं न कहीं यह सोच भी थी कि युवा या तो संक्रमण की चपेट में आएंगे ही नहीं या आए भी तो उनका शरीर अपेक्षाकृत आसानी से वायरस के हमले को झेल जाएगा।

मगर वायरस के नए वैरिएंट्स जिस तरह से युवाओं को निशाना बना रहे हैं उसे देखते हुए यह तर्क अब कारगर नहीं रह गया है। दूसरी बात यह कि इस दूसरी लहर के भयावह रूप लेने से कुछ पहले से ही देखा जा रहा था कि 45 साल से ऊपर की आबादी का जो हिस्सा घर से काम करते हुए खुद को सेफ मान रहा था, उसमें वैक्सीन को लेकर एक हिचक थी।

दूसरी तरफ युवा आबादी का बड़ा हिस्सा जिसे काम-कामकाज के सिलसिले में या अन्य वजहों से बाहर निकलना पड़ रहा था, वैक्सीन लेकर निश्चिंत होना चाहता था, लेकिन उसकी वैक्सीन तक पहुंच नहीं बन पा रही थी। नई नीति इन दोनों असंगतियों को दूर करेगी।

टीका वितरण की प्रक्रिया में लाया गया लचीलापन भी स्वागत योग्य है। अब टीका उत्पादन का आधा हिस्सा ही केंद्र सरकार के पास जाएगा। बाकी आधे हिस्से में राज्य सरकारों तथा प्राइवेट हॉस्पिटलों को अपनी जरूरतों के अनुरूप सीधी खरीदारी करने का अधिकार होगा। ये और ऐसे अन्य बदलाव देश में टीकों की उपलब्धता को तो आसान बनाएंगे ही, आम जरूरतमंद लोगों की उस तक पहुंच भी सुनिश्चित करेंगे। हालांकि कुछ अस्पष्टताएं अभी बनी हुई हैं।

उदाहरण के लिए यह तो कह दिया गया है कि कुल उत्पादित टीके का आधा हिस्सा केंद्र सरकार को मिलेगा, और बाकी का आधा हिस्सा पूर्वघोषित कीमत पर राज्यों तथा प्राइवेट हॉस्पिटलों आदि को बेचा जा सकेगा। लेकिन जब कीमत एक ही होगी तो राज्य सरकारों और प्राइवेट पार्टियों की खरीद का प्रतिशत कैसे तय होगा? कहीं ऐसा न हो जाए कि प्राइवेट पार्टियां बड़ा हिस्सा खरीद लें और राज्य सरकारों को अपने अस्पतालों में गरीब व जरूरतमंद आबादी को देने के लिए टीका कम पड़ने लग जाए। उम्मीद की जानी चाहिए कि ऐसे अस्पष्ट पहलुओं पर भी केंद्र सरकार की गाइडलाइन समय से आ जाएगी और तीसरे फेज में टीकाकरण अभियान इतना व्यापक रूप ले सकेगा कि वायरस की चुनौती छोटी पड़ती चली जाएगी।

भारत की अमेरिका से बढ़ती नजदीकी के चलते रूस पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ाना चाहता है

दूसरी ओर भारत इससे संतुष्ट नहीं कि रूस चीन के हितों की परवाह करता दिख रहा है। रूसी विदेश मंत्री के अनुसार रूस-चीन संबंध इतिहास में आज सबसे मजबूत अवस्था में हैं। यह स्थिति भारत के हितों के अनुरूप नहीं है। भारत और रूस के बीच जो कुछ मतभेद उभरे हैं, उनका समाधान करने की जिम्मेदारी रूस पर अधिक है। रूस-भारत संबंध आपसी हित और सम्मान पर आधारित हैं। रूस भारत का पुराना मित्र है, लेकिन वैश्विक राजनीति की तेजी से बदलती जटिलताओं से संबंधों में कुछ बाधाएं खड़ी होती दिख रही हैं।

बीते दिनों रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव दो दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली आए। जाहिर तौर पर उनका यह दौरा इस वर्ष के अंत में रूसी राष्ट्रपति पुतिन की नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ होने वाली शिखर बैठक की तैयारी के संबंध में था। प्रधानमंत्री मोदी अपने अब तक के कार्यकाल में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से सात से अधिक बार मिल चुके हैं। उनके इस दौरे में और कई महत्वपूर्ण मसलों पर दोनों पक्षों में चर्चा हुई। रूसी विदेश मंत्री अपने भारतीय समकक्ष यानी विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से मिले, लेकिन यह एक खास बात रही कि प्रधानमंत्री मोदी से उनकी मुलाकत नहीं हो सकी। इसे लेकर राजनयिक हलकों में व्यापक चर्चा रही। इस चर्चा ने जोर इसलिए भी पकड़ा, क्योंकि भारत की यात्रा समाप्त कर रूसी विदेश मंत्री पाकिस्तान भी गए। रूसी विदेश मंत्री के नई दिल्ली दौरे में अफगान समस्या पर खास तौर पर बातचीत हुई। रूस अफगान समस्या के हल के लिए तालिबान के लिए भारत से समावेशी रुख की उम्मीद करता है। अफगान समस्या के हल के लिए विशेष समूह में अमेरिका की पहल पर भारत को शामिल करने पर भी रूस को आपत्ति है, लेकिन उसने इस पर खुली प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।

रूसी विदेशी मंत्री का नई दिल्ली दौरे के बाद इस्लामाबाद जाना इसलिए एक उल्लेखनीय राजनयिक घटना रही, क्योंकि अर्से बाद ऐसा हुआ। रूसी विदेश मंत्री के इस्लामाबाद दौर के समय संयुक्त बयान भी जारी हुआ, जिसमें अफगान

मामले पर पाकिस्तान से नजदीकी व्यक्त की गई। ऐसा लगता है कि भारत से अमेरिकी की नजदीकी बढ़ती देखकर रूस पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ाना चाहता है। इसका असर भारत-रूस संबंधों पर पड़ सकता है। रूस पूरे शीत युद्ध काल में भारत का मजबूत सहयोगी रहा है। शीत युद्ध के बाद संबंधों में कुछ उतार-चढ़ाव आए हैं। यदि भारत की अमेरिका से नजदीकी बढ़ती जा रही है तो रूस भी पिछले एक दशक में चीन के करीब आ गया है। कई मामलों पर तो रूस चीन के आधिकारिक प्रवक्ता के रूप में सामने आने लगा है। ओबामा प्रशासन के समय से अमेरिका एशिया-प्रशांत क्षेत्र की अवधारणा पर जोर देता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल के अंतिम वर्षों में क्वाड समूह भी तेजी से उभरा। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान इसके संस्थापक सदस्य हैं और इसका विस्तार प्रस्तावित है। इसी मार्च में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने क्वाड समूह के वर्चुअल शिखर सम्मेलन में अपने ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत के समकक्षों के साथ भाग लिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कानून की पालना करने पर बल दिया। रूस की चीन के साथ एशिया-प्रशांत और क्वाड के नामकरण से एलर्जी है। एशिया में रूस आज भी सामरिक तौर पर काफी महत्वपूर्ण देश है।

भारत अपने लगभग 60 फीसद रक्षा उपकरणों के लिए रूस पर आश्रित है। इसमें बहुचर्चित एस-400 मिसाइल प्रणाली भी शामिल है, जो रूस को अभी भारत को सौंपना है। इसी प्रणाली को आयात करने पर अमेरिका ने तुर्की पर प्रतिबंध लगाया है, जबकि तुर्की अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो का सदस्य है। इस संबंध में ट्रंप प्रशासन ने भारत की परोक्ष रूप से सहायता की थी। पिछले दो दशकों में भारत का वैश्विक हथियार बाजार में क्रेता के तौर पर दबदबा बढ़ा है। रूस किसी भी तरह इसमें अपनी भूमिका को सीमित नहीं करना चाहेगा। अमेरिका और रूस के बीच भी हाल के वर्षों में तनातनी में इजाफा हुआ है। इसका आरंभिक असर भारत-रूस संबंधों पर पड़ा है। भारत और रूस ब्रिक्स और शंघाई सहयोग परिषद में भी चीन सहित अन्य देशों के साथ सदस्य हैं। पिछले दो दशकों में एशिया का शक्ति संतुलन तेजी से बदला है। भारत इसके प्रमुख स्तंभ के रूप में उभरा है। भारत एशिया में चीन के प्रभुत्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। भारत चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सभी राष्ट्र एशिया में भी पालन करें। अमेरिका, जापान, आसियान समूह के देश एवं ऑस्ट्रेलिया भी इसी मत के हैं। रूस को यह समझना चाहिए कि भारत की अपनी प्राथमिकताएं हैं, जिनकी वह अनदेखी नहीं कर सकता। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के तहत विदेशी संबंध में विविधता पर बल दे रहा है। रूस को इसका भी भान होना चाहिए कि शीत युद्ध काल में अमेरिका के समक्ष जो स्थिति उसकी थी, उसे अब चीन ने हासिल कर लिया है।

भारत और रूस के आपसी संबंधों को सामरिक क्षेत्र के साथ-साथ व्यापार को और बढ़ाकर संतुलित किया जा सकता है। दोनों देशों के बीच का व्यापार अभी आठ बिलियन डॉलर के आसपास है। इसे बढ़ाकर 2025 में 30 बिलियन डॉलर करने पर जोर दिया गया है। 2014 के बाद दोनों देशों का व्यापार कुछ कम हो गया है। इसे रूस से प्राकृतिक तेल का आयात बढ़ाकर बढ़ाया जा सकता है। रूस इसकी अनदेखी नहीं कर सकता कि हाल के समय में भारत वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण ताकत के तौर पर तेजी से उभरा है। मूलतः भारत और रूस के बीच हितों का कोई खास टकराव नहीं है, लेकिन अमेरिका के साथ भारत के गहराते सहयोग से रूस खुश नहीं है। दूसरी ओर भारत इससे संतुष्ट नहीं कि रूस चीन के हितों की परवाह करता दिख रहा है। रूसी विदेश मंत्री के अनुसार रूस-चीन संबंध इतिहास में आज सबसे मजबूत अवस्था में हैं। यह स्थिति भारत के हितों के अनुरूप नहीं है। भारत और रूस के बीच जो कुछ मतभेद उभरे हैं, उनका समाधान करने की जिम्मेदारी रूस पर अधिक है। रूस-भारत संबंध आपसी हित और सम्मान पर आधारित हैं। रूस भारत का पुराना मित्र है, लेकिन वैश्विक राजनीति की तेजी से बदलती जटिलताओं से संबंधों में कुछ बाधाएं खड़ी होती दिख रही हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

उत्तर प्रदेश में सांसों पर गहरा संकट, ऑक्सीजन का आपातकाल; लखनऊ के साथ अन्य महानगरों में लोग परेशान

लखनऊ । कोरोना वायरस संक्रमण के नए स्ट्रेन के बेतहाशा गति पकडने के बीच में लोगों की तेजी से सांसे उखड़ रही हैं। इस बीच में सूबे की राजधानी लखनऊ के साथ ही अन्य महानगरों में भी ऑक्सीजन का आपातकाल है। इतना ही नहीं प्रदेश में टैक्नीशियन्स के संक्रमित होने के कारण अब आरटीपीसीआर टेस्ट भी नहीं हो रहा है।

योगी आदित्यनाथ सरकार के तमाम बड़े आश्वासन के बाद भी महानगर के साथ ही कस्बों में भी ऑक्सीजन की भारी किल्लत है। लखनऊ, झांसी, प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी, गोंडा तथा मेरठ में ऑक्सीजन की भारी किल्लत है। अलीगढ़ और कन्नौज में मरीज दम तोड़ रहे हैं। हजारों एंबुलेंस भी बिना ऑक्सीजन के दौड़ रही हैं। प्रदेश के निजी अस्पताल में ऑक्सीजन की भारी कमी है। प्रयागराज के कई अस्पतालों में कल से ऑक्सीजन नही है। प्रयागराज के साथ कौशांबी व नैनी में डॉक्टर ऑक्सीजन के लिए परेशान हैं। यहां पर प्राइवेट अस्पताल से मरीज जिला अस्पताल जा रहे हैं।

सीतापुर में कालाबाजारीः सीतापुर के जिला अस्पताल के साथ ही निजी अस्पतालों में भी ऑक्सीजन की भारी किल्लत है। यहां पर ऑक्सीजन न मिलने से मरीजों की मौत हो रही है। जिले में ऑक्सीजन की कालाबाजारी भी हो रही है। 300 रुपये का छोटा वाला सिलेंडर 600 रुपये में बेचा जा रहा है। यहां पर 600 रुपये का ऑक्सीजन सिलेंडर 1200 रुपये में बेचा जा रहा है।

हालत में कोई सुधार नहींः फर्रुखाबाद के फतेहगढ़ के मोहल्ले शीशमबाग निवासी आसिफ की पांच दिन पहले तबियत बिगड़ी थी। कन्नौज में तैनात एमओआईसी भाई ने उसका इलाज किया, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं हुआ।

कानपुर में भी ऑक्सीजन की किल्लत : कानपुर में भी ऑक्सीजन की किल्लत बरकरार है। यहां पर अस्पताल वालों ने तीमारदारों को ही खाली सिलेंडर थमा दिया है। उनसे बोला गया है कि बोला गया है कि जाकर खुद ही ऑक्सीजन सिलेंडर भराओ। यहां पर अस्पताल वालों ने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं। तीमारदार यहां पर ऑक्सीजन के लिए दर-दर भटक रहे हैं। तीमारदार खाली सिलेंडर लेकर स्कूटी व बाइक से घूम रहे हैं।

ताजनगरी आगरा में भी अस्पतालों में ऑक्सीजन सिलेंडर पूरी तरह खत्म हो गए हैं। यहां पर 450 एंबुलेंस में अब ऑक्सीजन नहीं है। मोदीनगर के आईनोक्स प्लांट ने आगरा की स्पलाई बंद कर दी है। जिससे कि मरीजों की जान पर खतरा बढ़ गया है। यहां पर सरकार के साथ ही निजी एंबुलेंस के पास भी ऑक्सीजन नहीं है। अब यहां पर गंभीर रूप से बीमार लोगों की दूसरे जिलों में भी शिफ्टिंग रुकी है।

मेरठ में हापुड़ रोड पर स्थित संतोष हॉस्पिटल में मंगलवार देर रात ऑक्सीजन खत्म हो गई। इसके बाद पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने 11 मरीजों को शिफ्ट करने की व्यवस्था शुरू दी। रात दो बजे तक हॉस्पिटल से कोरोना संक्रमित मरीजों को एनसीआर मेडिकल कालेज और सुभारती मेडिकल कालेज में शिफ्ट करने का काम प्रारंभ किया गया। डीएम के.बालाजी ने बताया कि कुछ मरीजों को आपात स्थिति में शिफ्ट किया गया है। अब देर रात ऑक्सीजन की व्यवस्था की जा रही है। मेरठ में सुबह से ही मेरठ में ऑक्सीजन को लेकर मारामारी की स्थिति थी। डीएम ने कुछ गंभीर मरीजों को शिफ्ट किए जाने की पुष्टि की।

आरटीपीसीआर जांच को लेकर भी मारामारी : प्रदेश में अब आरटीपीसीआर जांच को लेकर भी मारामारी है। लखनऊ में भी हालत बेहद खराब है। यहां प्राइवेट लैब में जांच कराने को लेकर लूट मची है। आरटीपीसीआर जांच के नाम पर 1400 से लेकर 2800 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। सरकार के छूट देने के बाद से यहां पर प्राइवेट अस्पताल व प्राइवेट लैब ने लूट मचा दी है। कोरोना की जांच कराने के लिए लोग प्रदेश में अब दर-दर भटक रहे हैं। प्राइवेट अस्पताल तथा लैब लोगों की गंभीर स्थिति का लान लेने में लगे हैं।

संक्षिप्त खबर

फतेहपुर में 20 बागी नेता भाजपा से निष्कासित, पंचायत चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ लड़ रहे

फतेहपुर । भाजपा समर्थित प्रत्याशियों के खिलाफ पंचायत चुनाव में ताल ठोंक रहे 20 कार्यकर्ताओं को पार्टी से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया गया है। नामांकन पत्र वापसी के बाद जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा ने बगावत करने वाले कार्यकर्ताओं की सूची प्रदेश अध्यक्ष को भेजी थी। मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष ने सभी को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। इसके बावजूद बगावत करने वाले मैदान में डटे हैं। पार्टी से निष्कासित किए गए भाजपाइयों में सदर विधायक के रिश्तेदार जन्मेजय सिंह, निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह उर्फ पिंटू सिंह के नाम शामिल हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने जिन लोगों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया है। उनमें सदस्य अनुभव लोधी, जिला उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा कमल पासवान, पूर्व मंडल अध्यक्ष मथुरा पासवान, जिला महामंत्री किसान मोर्चा सर्वेश पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल उमराव, निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह उर्फ पिंटू सिंह, सक्रिय सदस्य जनमेजय सिंह, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष जय सिंह, मंडल महामंत्री वेद प्रकाश, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कीर्ति शुक्ला, जिला संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ कृष्ण कुमार सिंह, मंडल उपाध्यक्ष राम बाबू गिहार, मंडल अध्यक्ष युवामोर्चा रोहित उत्तम, मंडल उपाध्यक्ष अनिल शुक्ला, राकेश मौर्य, धीरेंद्र बाबा, अवधेश सिंह राठौर, सेक्टर संयोजक विजय सिंह, पूर्व जिला प्रवक्ता राजा सिंह कछवाह हैं। इनमें कई ने पार्टी की सूची जारी होने के बाद पार्टी से इस्तीफा भी दे दिया है।

जालौन में न्यायालय के तीन कर्मचारी निलंबित, फाइलें छिपाकर अभियुक्तों की मदद करने का आरोप

उरई । मुकदमों का ट्रायल विलंबित करने की मंशा से चार्जशीट (आरोप पत्रों) की फाइलें छिपाने के आरोप में जनपद न्यायाधीश ने सीजेएम कोर्ट के कार्यालय में तैनात तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। वहीं, दो अन्य कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। आशंका है कि आरोपित कर्मचारी फाइलें छिपाकर अभियुक्तों की मदद करते थे। जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह ने बीते 11 अप्रैल को विभिन्न न्यायालयों का निरीक्षण कर मुकदमों से संबंधित फाइलों का अवलोकन किया थी। इसी दौरान उनकी नजर सीजेएम कोर्ट के कार्यालय में एक कपड़े में लिपटी फाइलों पर गई। उन्हें खुलवाकर देखा गया तो वे सभी फाइलें चार्जशीट की थीं। संदेह है कि कर्मचारियों ने फाइलें छिपा कर रखी थीं। इन चार्जशीटों की संख्या 533 है। फाइलों के दबने का लाभ सीधे तौर पर अभियुक्तों को पहुंचता है। जिला जज ने बताया कि मामले को लेकर जांच का आदेश दिया था। जांच रिपोर्ट आने के बाद लिपिक भूपेंद्र ड्क्षसह, संतोष रावत व शशिकांत को निलंबित कर दिया गया है। दो कर्मचारियों नियाजउद्दीन और राजीव खरे के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

कोरोना के कारण पटना में एयर एंबुलेंस से भी महंगी हो गई सड़कों की खटारा एंबुलेंस

पटना । पटना से एयर एंबुलेंस से दिल्ली जाना हो तो ढाई से छह लाख रुपये में काम चल जाएगा, लेकिन सड़क मार्ग से जाएं तो एंबुलेंस की मौजूदा दर पर सात-आठ लाख रुपये देने पड़ जाएंगे। कोरोना संक्रमण काल में एंबुलेंस संचालक मनमाना किराया वसूल रहे हैं और लोगों को मजबूरी में देना भी पड़ रहा है। आठ-दस किलोमीटर की दूरी के लिए छह से सात हजार रुपये मांगे जा रहे हैं, यानी प्रति किलोमीटर 600-700 रुपये। वह भी सामान्य एंबुलेंस के लिए। उपकरणों से लैस है तो 1000-1200 रुपये भी देने पड़ जाएंगे। इस हिसाब से दिल्ली जाना पड़ जाए तो कम-से-कम सात-आठ लाख का बिल तो बन ही जाएगा। तर्क यह कि इसमें ऑक्सीजन और सैनिटाइजेशन चार्ज भी है। पीपीई किट का भी चार्ज है। यह और बात है कि चालक बगैर किट के ही कोरोना संक्रमित मरीज को लेकर चल रहे। मंगलवार को कंकड़बाग से पाटलिपुत्र स्थित रुबन मेमोरियल हॉस्पिटल आने के लिए सचिवालय के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को छह हजार रुपये देने पड़े। दूरी करीब दस किलोमीटर की थी। इन्हें थोड़ी कम राशि देनी पड़ी, अन्यथा पांच-छह किलोमीटर के लिए भी छह-सात हजार से कम में बात ही नहीं होती। पटेल नगर से पीएमसीएच पहुंचे एक मरीज के स्वजन ने बताया कि उनसे एकमुश्त छह हजार रुपये लिया है। पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) में कोरोना संक्रमितों की सहायता में लगे श्रवण कुमार ने बताया कि बेड लॉटरी की तरह हो गया है। कब खाली होगा और भर जाएगा, यह किसी तो पता नहीं है। जैसे ही बेड खाली होने की जानकारी मिलती है, स्वजन पीड़ित को लेकर इधर-उधर भागते हैं। सरकारी एंबुलेंस सीमित संख्या में हैं, इसलिए समय पर सभी को उपलब्ध नहीं हो पाती है। इसी का फायदा निजी एंबुलेंस संचालक उठाते हैं। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि निजी एंबुलेंस चालकों की मनमानी की शिकायत मिली है। यदि किसी से मनमाना भाड़ा लिया जाता है तो कंट्रोल रूम को एंबुलेंस के नंबर के साथ शिकायत करें। ऐसे संचालकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निजी एंबुलेंस संचालक संतोष कुमार ने बताया कि सामान्य दिनों में पांच किलोमीटर तक के लिए 700 रुपये लिए जाते हैं। 10 किलोमीटर तक के लिए एक हजार रुपये लगता है। अभी कोरोना संक्रमण के डर से चालक नहीं मिल रहे हैं। इसलिए तीन गुना अधिक भुगतान करना पड़ रहा है।

बिहार में बोल रहा बाजार- कोरोना है कोरोना, आपदा को अवसर बनाने वालों पर नकेल कसना जरूरी

पटना। जिंदगी फरियाद कर रही है, पर कौन सुने उम्मीद बंधाते दो शब्द सुने बिना इस समाज, इस देश का कोई नागरिक अंतिम यात्रा पर निकल पड़ता है। जहां जिंदगी की उम्मीद है, उस दर से निराश होकर। यह बताते हुए कि साहब! हमें वाकई मदद की जरूरत थी। दृश्य यही है। लोग यहां से वहां दौड़ रहे हैं। आरजू-मिन्नत कर रहे। आपदा का समय है, पर कुछ के लिए अवसर भी। यह कहने में कोई गुरेज नहीं, अन्यथा पांच-छह किलोमीटर तक जाने को एक एंबुलेंस के भाड़े की शुरुआत छह हजार रुपये से क्यों हो कभी फाइव स्टार में नहीं ठहरे तो यह आपदा वह अवसर भी दे रही है। इलाज के लिए पंद्रह-बीस हजार के कमरे से शुरुआत। और क्या चाहिए पैकेज पर पैकेज है। ठीक वैसे ही, जैसे खरीदारी हो या कोई समारोह। इस आपदा को अवसर बनाने वालों पर नकेल कसना जरूरी है। आम हो या खास, हर कोई भटक रहा है। एक बेड के लिए तरस रहा है। थक-हार कर किसी चबूतरे या वृक्ष की छांव में स्वजन की सांसों को गिनता हुआ। दिन-दिन भर दौड़ लगाने के बाद भी एक बेड नहीं मिल पाने की मायूसी।

उन्नाव के सरस्वती मेडिकल कॉलेज में कोरोना संक्रमित नौ की मौत के बाद जमकर हंगामा

उन्नाव । राजधानी लखनऊ तथा कानपुर के बीच उन्नाव जिले के एकमात्र कोविड हॉस्पिटल में सरस्वती मेडिकल कॉलेज भी लापरवाही चरम पर है। यहां पर बुधवार को दिन में कोरोना संक्रमित नौ लोगों की मौत के बाद माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। नौ लोगों की एक साथ मौत के बाद जिला प्रशासन में भी खलबली मची है।

उन्नाव के एक मात्र कोविड हॉस्पिटल सरस्वती मेडिकल कॉलेज में भर्ती नौ कोरोना संक्रमितों की मौत हो गई। इसके बाद कोरोना संक्रमित के स्वजनों ने इलाज में लापरवाही और पर्याप्त ऑक्सीजन के साथ दवा न मिलने से मौत होने का आरोप लगा कोविड हॉस्पिटल गेट पर हंगामा किया। वहीं बुधवार को जिले में आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट में 189 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। यहां पर जिला अस्पताल के सीएमएस भी कोरोना पॉजिटिव हो गए।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज में बुधवार को नौ कोरोना संक्रमितों की मौत की जानकारी उनके स्वजन को हुई तो उन्होंने अस्पताल गेट पर शोर शराबा कर हंगामा शुरू कर दिया। एसडीएम प्रदीप ने उन्हें दवा इलाज में किसी तरह की लापरवाही न होने का भरोसा दिलाते हुए इलाज की व्यवस्था की हकीकत बता शांत कराया। सीएमओ डॉ. आशुतोष कुमार ने बताया कि सरस्वती मेडिकल कॉलेज में भर्ती गंभीर कोरोना पॉजिटिव नौ लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि इलाज में किसी तरह की कोताही नहीं की जा रही है। सभी संक्रमितों को बचाने का यहां पर पूरा प्रयास किया जा रहा है। यहां पर हर संभव दवा व इंजेक्शन दिए जा रहे हैं। ऑक्सीजन की भी कोई कमी नहीं है।

लड़ाई है बड़ी और अनिश्चितकालीन, दुश्मन है अदृश्य; लापरवाही छोड़ें

गोरखपुर । मास्क न लगाने पर देवरिया जिले में पुलिस ने दो युवकों से दस-दस हजार रुपये का जुर्माना वसूला । ये वही युवक थे जिनसे एक दिन पहले भी पुलिस ने एक-एक हजार रुपये का जुर्माना वसूला था, लेकिन इन युवकों ने सबक लेने के बजाय फिर कोविड प्रोटोकाल का उल्लंघन किया और बिना मास्क लगाए सड़कों पर निकल पड़े। इस धृष्टता के चलते ही पुलिस ने दोबारा तगड़ा जुर्माना ठोंक दिया। कोरोना की दूसरी लहर में स्थिति बदतर होती जा रही है। डबल म्यूटेंट का वायरस जानलेवा हो चुका है।

सब कुछ जानते समझते हुए भी कुछ लोग अपने साथ ही दूसरों की भी जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। दो गज की दूरी और मास्क की अनिवार्यता को धता बताने में उन्हें संतुष्टि मिल रही है। शायद उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि उनकी यह संतुष्टि उन्हें, उनके परिवार और समाज के अन्य लोगों को संकट में डाल रही है। हमारी जरा सी भी चूक कोरोना को फलने-फूलने का खुराक दे रही है। इतनी बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित सामने आ रहे हैं कि उनके लिए अस्पतालों में जगह नहीं बची है। तमाम लोगों को समय से समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में एक ही उपाय कारगर है कि कोरोना से बचाव के सारे दिशा-निर्देशों का स्वत- पालन किया जाए।

सरकार ही सब कुछ हमारे लिए नहीं करेगी। बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभाते हुए हमें सरकार, पुलिस व प्रशासन की मदद करनी होगी। लड़ाई बड़ी और अनिश्चितकालीन है।

दुश्मन अदृश्य है। ऐसे में हर कदम यदि फूंक-फूंक कर नहीं रखे तो चुनौती और बड़ी होती जाएगी। उचित होगा कि कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते न केवल खुद दो गज की दूरी और मास्क लगाने की अनिवार्यता का विशेष ध्यान रखें, बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। बेवजह सड़कों पर या भीड़भाड़ में जाने से बचना होगा। आयोजनों में मेहमानों की संख्या कम से कम रखनी होगी। टीकाकरण समय से कराना होगा, तभी कोरोना को परास्त करने में हम सफल हो पाएंगे।

नवजोत सिंह सिद्धू की कर्मभूमि अमृतसर छोड़ कैप्टन अमरिंदर के गढ़ पटियाला में बैंटिंग की तैयारी

चंडीगढ़ । पंजाब के फायर ब्रांड नेता और पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू अपनी कर्मभूमि को छोड़कर सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह के गढ़ पटियाला में सियासी बैटिंग करने की तैयारी में है। शाही शहर पटियाला की सियासत में अभी तक कैप्टन अमरिंदर सिंह व उनके परिवार का दबदबा रहा है, वहां से अब सिद्धू ताल ठोंकने की तैयारी कर रहे हैं। वैसे पटियाला सिद्धू का भी गृहनगर है लेकिन 2004 में यह शहर छोड़ गुरु नगरी अमृतसर को उन्होंने अपनी कर्मभूमि बना लिया था।

अब पटियाला की सिद्धू का रुझान लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां तक कि उन्होंने पटियाला में अपना दफ्तर भी खोल लिया है। सबकी नजर सिद्धू की अगली रणनीति पर है। सिद्धू के तेवर भी मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को लेकर फिर से तीखे होने लगे हैं। 17 साल बाद सिद्धू दंपती अमृतसर से पटियाला में यादा सक्रिय नजर आ रहा है।

सिद्धू लंबे समय से पंजाब कांग्रेस की प्रधानगी चाहते थे और कैप्टन इसके लिए तैयार नहीं हुए। पंजाब में इन दिनों सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि सिद्धू का क्या होगा क्योंकि, कांग्रेस में उनकी बन नहीं रही और भाजपा ने अपने दरवाजे सिद्धू के लिए बंद कर दिए हैं। आम आदमी पार्टी भी सिद्धू में रुचि नहीं रख रही है। ऐसे में चर्चा इस पर हो रही है कि सिद्धू क्या अपनी पार्टी बनाएंगे या चौथी पार्टी की बनाई पिच पर

बल्लेबाजी करेंगे

2004 में अपने राजनीतिक गुरु अरुण जेटली के कहने पर नवजोत ने पटियाला छोड़कर अमृतसर में रैन बसेरा बना लिया। सिद्धू ने राजनीति में दमदार ओपनिंग की और कांग्रेस के धाकड़ नेता रघुनंदन लाल भाटिया को एक लाख से यादा वोटों से हराया। इसके बाद सिद्धू गुरु नगरी में ही बस गए। वहीं से उन्होंने लोकसभा का एक उप चुनाव और 2009 का आम चुनाव भाजपा टिकट पर जीता लेकिन हर बार उनकी जीत का अंतर कम होता गया।

2014 में भाजपा ने सिद्धू को हरियाणा से चुनाव लड़ने के लिए कहा लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इससे इंकार कर दिया कि वह अपनी कर्मभूमि गुरुनगरी अमृतसर को छोड़ कर नहीं जाएंगे। भाजपा ने उन्हें रायसभा में भेजा लेकिन बाद में उन्होंने वहां से भी इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस वाइन कर ली।

2017 में सिद्धू कांग्रेस के टिकट पर अमृतसर वेस्ट से चुनाव जीते। कैबिनेट में उन्हें नंबर तीन का स्थान मिला। 2019 के लोकसभा चुनाव में पहले सिद्धू की मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ अनबन शुरू हो गई। चुनाव के बाद जब मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के विभाग में बदलाव किया तो इससे नाराज हो सिद्धू ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

अब जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, सिद्धू ने पटियाला सीट पर अपनी सक्रियता बढ़ानी शुरू कर दी है। बीते 15 वर्ष में ऐसा कभी भी नहीं हुआ। ऐसे में यह राजनीतिक कयास लगाए जा रहे है कि क्या सिद्धू कांग्रेस छोड़कर किसी अन्य पार्टी से 2022 में मुख्यमंत्री को पटियाला में चुनौती देने की तैयारी में हैं यह भी कहा जा रहा है कि सिद्धू द्वारा पटियाला में सक्रियता बढ़ाना इस रणनीति का हिस्सा हो सकता है कि अगर 2022 तक कांग्रेस में स्थिति उनके मन मुताबिक न बने तो पटियाला से कैप्टन को सीधी चुनौती दी जा सके।

पटियाला की सियासत में राजघराने का वर्चस्व- पटियाला विधानसभा व लोकसभा सीटें हैं। दोनों पर ही कैप्टन परिवार का वर्चस्व रहा है। कैप्टन अमरिंदर सिंह की माता मोहिंदर कौर ने 1967 में पटियाला लोकसभा सीट पर जीत हासिल की थी। कैप्टन की पत्नी परणीत कौर भी इस सीट से तीन बार लोकसभा पहुंची हैं। हालांकि इसी सीट पर 1977 और 1998 के लोकसभा चुनाव में कैप्टन की शिकस्त भी हुई थी। वहीं पटियाला विधानसभा सीट पर कैप्टन लगातार चार बार से जीतते चले आ रहे हैं।

बिहार में जेडीयू नेता की सीएम नीतीश को चेतावनी- आपकी भी नहीं सुनते अफसर, ये आपको कहीं का नहीं छोड़ेंगे

पटना । कोरोनावायरस संक्रमण के कठिन दौर में आम लोगों को क्या परेशानी हो रही है, इसकी पोल सत्ताधारी जनता दल यूनाइटेड के एक नेता ने ही खोल दी है। दरभंगा जेडीयू जिला कार्यकारिणी के सदस्य तथा मधुबनी के विस्फी विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी अवधेश लाल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चेतावनी दी है कि वे दुर्दशा सुधारें, उनकी बात कोई अधिकारी नहीं सुनता है। वे कहते हैं कि जेडीयू कार्यकर्ता जनता का काम कराएं, लेकिन जब कार्यकर्ता का ही काम नहीं होता है तो वे दूसरे का काम क्या कराएंगे

मामला पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान का है। वहां सुबह से लाइन में लगे-लगे जेडीयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश महासचिव तथा वर्तमान में दरभंगा जिला कार्यकारिणी के सदस्य व मधुबनी के विस्फी विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी अवधेश लाल का सब्र जवाब दे गया। इसके बाद उनकी अस्पताल कर्मी से बकझक हुई। फिर उन्होंने मौके पर ही वीडियो बनाकर उसे वायरल कर दिया। वीडियो में उन्होंने अस्पताल में अपनी व जनता की स्थिति बताई है तथा मुख्यमंत्री नीतीश को यह चेतावनी भी दी है कि अगर हालात नहीं सुधर तो उनके व पार्टी के लिए बुरा होगा।

वीडियो में अवधेश लाल बता रहे हैं कि वे 20 अप्रैल की सुबह 8.30 बजे से लेकर 10.30 बजे तक लाइन में लगे रहे, लेकिन उनकी कोरोना की आरटीपीसीआर जांच की पर्ची नहीं बनाई गई। आम लोग लाइन में ही लगे रहे और इस बीच अस्पताल के कई कर्मियों ने अपनी पर्ची बनवा ली। उनकी आइजीआइएमएस के डायरेक्टर से भी बात हुई। उनके आश्वासन के बावजूद कर्मचारी ने पर्ची नहीं काटा।

गुस्साए अवधेश लाल वीडियो में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए कहते हैं कि उनके अधिकारी ही उनकी नहीं सुनते हैं।

बिहार की जेलों में नहीं मिलेगी जिंस और बंडी पहनने की इजाजत, खुद के बनाए कपड़े ही पहनेंगे कैदी

पटना । बिहार की जेलों में बंद कैदियों में बड़ा-छोटा, गरीब-अमीर का भेद न हो, इसके लिए जेल प्रशासन ने सभी के लिए एक ही तरह का वस्त्र अनिवार्य कर दिया है। पहले केवल सजायाफ्ता कैदियों को ही जेल का वस्त्र पहनना अनिवार्य किया गया था। अब विचाराधीन कैदियों के लिए भी यह अनिवार्य किया गया है। इसके लिए कारा प्रशासन बाहर से कपड़ा नहीं खरीदेगा, बल्कि जेल में ही पावरलूम लगाने का निर्णय लिया गया है। कारा महानिरीक्षक मिथिलेश मिश्र ने सभी केंद्रीय कारा में पावरलूम लगाने व कैदियों से ही लूम चलवाने और कपड़ा निर्माण का निर्देश दिया है।

सरकार से निर्देश मिलते ही बेउर जेल में छह पावरलूम खोलने की कवायद शुरू कर दी गई है। पावरलूम इंस्टॉल करने पर साठ लाख रुपये तक खर्च होंगे। हालांकि वास्तविक राशि कंपनियों द्वारा कोटेशन मिलने के बाद ही निर्धारित की जाएगी। अभी केंद्रीय कारा में कई कैदियों द्वारा ब्रांडेड कपड़े पहनने की सूचना मिल रही है। कारा महानिरीक्षक ने सभी के एक समान रहन-सहन के लिए नई व्यवस्था की है। छह पावरलूम से जेल में बंद सारे कैदियों के लिए कपड़े का निर्माण कराया जाएगा।

एक पावरलूम पर छह कैदी करेंगे ड्यूटी

एक पावरलूम पर दो शिफ्ट में छह-छह कैदियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इस तरह प्रतिदिन 72 कैदियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। पहले चरण में बेउर जेल में तीन ही पावरलूम लगाए जा सकते हैं। इसके बाद दूसरे वित्तीय वर्ष में तीन और पावरलूम लगाए जाएंगे। एक महीने के अंदर काफी कपड़े तैयार कर लिए जाएंगे। पहले चरण में सजायाफ्ता कैदियों को ही वस्त्र मुहैया कराया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में विचाराधीन कैदियों को भी ड्रेस मुहैया करा दिया जाएगा। एक पावरलूम लगाने में आठ से दस लाख रुपये खर्च हो सकते हैं।

कानपुर में विकास दुबे एनकाउंटर में पुलिस को क्लीन चिट, जांच कमेटी को कुछ फर्जी नहीं मिला

लखनऊ । कानपुर के चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिकरू गांव को बेहद चर्चा में लाने वाले दुर्दांत विकास दुबे और उसके गैंग के साथियों के एनकाउंटर में जांच कमेटी ने उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम को क्लीन चिट दी है। न्यायिक जांच में इस मुठभेड़ को भी सही माना गया है।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बीएस चौहान और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शशिकांत अग्रवाल और पूर्व पुलिस महानिदेशक केएल गुप्ता ने करीब आठ महीने की पड़ताल के बाद सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। अब इस रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में इस एनकाउंटर को लेकर छह जनहित याचिकाएं दायर की गईं। जिनको बाद में एक ही साथ सुना गया और सुप्रीम कोर्ट ने जांच आयोग का गठन किया। न्यायमूर्ति चौहान आयोग ने अपनी 130-पृष्ठों की जांच रिपोर्ट में यह दावा किया है कि जांच के दौरान दल ने मुठभेड़ स्थल का निरीक्षण करने के साथ ही बिकरू गांव का भी दौरा दिया। मुठभेड़ करने वाली पुलिस टीम के सदस्यों के बयान लेने का प्रयास करने के साथ मौके पर मौजूद लोगों तथ मीडिया से भी बात की। जांच कमेटी ने विकास दुबे की पत्नी, रिश्तेदारों और गांव के लोगों को भी बयान के लिए बुलाया, लेकिन कोई भी आगे नहीं आया। न्यायमूर्ति चौहान ने कथित तौर पर घटनाओं के सबूत या आपूर्ति फुटेज देने के लिए आगे नहीं आने के लिए मीडिया के व्यवहार को भी काफी निराशाजनक बताया है।

विकास दुबे ने दो जुलाई 2020 की रात को बिकरू में पुलिस टीम पर हमला बोलकर सीओ सहित आठ पुलिसकर्मियों की हत्या कर की दी थी। इसके बाद पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की और भगोड़े विकास दुबे को दस जुलाई को कानपुर में एक एनकाउंटर में ढेर कर दिया। इससे पहले भी उसके गैंग के कई सदस्यों को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर किया। इसके बाद एनकाउंटर के तरीके पर काफी शोर होने लगा। इस प्रकरण की जांच सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस बीएस चौहान की कमेटी को दी। जस्टिस बीएस चौहान कमीशन ने पाया कि विकास दुबे और उसके साथियों के

एनकाउंटर में उत्तर प्रदेश पुलिस ने कुछ भी गलत नहीं किया। विकास दुबे एनकाउंटर की जांच करने वाले कमीशन ने उत्तर प्रदेश पुलिस टीम को क्लीन चिट दे दी है। जस्टिस बीएस चौहान कमीशन ने पाया कि विकास दुबे और उसके साथियों के फर्जी एनकाउंटर पर उतर प्रदेश पुलिस के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है। करीब आठ महीने की जांच के बाद कमेटी को कोई गवाह नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि एनकाउंटर फर्जी था।

कानपुर के चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिकरू गांव में दो जुलाई 2020 की देर रात दबिश देने गई पुलिस टीम पर हमला बोल गैंगस्टर विकास दुबे ने सीओ सहित आठ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट की जांच टीम जस्टिस बीएस चौहान कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में यूपी पुलिस को क्लीन चिट दी है। जांच के बाद इस कमेटी को कोई गवाह नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि एनकाउंटर पुलिस की मंशा के अनुरूप और फर्जी था। जांच के दौरान जस्टिस बीएस चौहान ने कई पुलिसर्ज्मियों से पूछताछ की, लेकिन कमेटी को एक भी पुख्ता सबूत नहीं मिले जिससे यह साबित हो सके कि एनकाउंटर फर्जी था। इसके बाद साक्ष्यों के आभाव में विकास दुबे एनकाउंटर मामले में पुलिस को क्लीन चिट दे दी गई है।

चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिकरू गांव में पुलिस टीम पर विकास दुबे और उसके गुर्गों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। इसमें आठ पुलिसकर्मी बलिदानी हो गए थे। इसके बाद एक्शन में आई पुलिस ने उसके चार गुर्गों को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया था। फरार चल रहे मुख्य आरोपी विकास दुबे ने नौ जुलाई को नाटकीय ढंग से उज्जैन के महाकाल मंदिर में सरेंडर कर दिया। इसके बाद उज्जैन से वापस लाते समय दस जुलाई को कानपुर में बरसात में पुलिस की गाड़ी पलटने के बाद विकास दुबे पुलिस की पिस्टल लेकर भागा था, जिसके बाद पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। उसने पुलिस टीम पर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में विकास दुबे ढेर हो गया।

इसके बाद पुलिस टीम के एनकाउंटर के तरीके पर काफी शोर मचा। इसके बाद एसआइटी सहित कई जांच कमेटी ने विकास दुबे और उसके गैंग को दोषी माना।

एसआइटी की रिपोर्ट पर एक्शन- इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी इस केस की जांच के लिए एसआइटी का गठन किया था। जिसने अपनी रिपोर्ट में 50 से अधिक पुलिसकर्मियों को विकास दुबे गैंग के साथ लगातार सम्पर्क में रहने का दोषी माना था। अपर मुख्य सचिव संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता वाली एसआईटी और इसमें अतिरिक्त डीजी हरि राम शर्मा और डीआईजी रविंदर गौड़ शामिल थे। इस एसआइटी ने विकास दुबे के साथ सम्पर्क में लगातार रहने वाले पुलिस तथा तहसील कर्मियों के खिलाफ जांच की सिफारिश की है। एसआईटी ने बीते नवंबर में दी गई 3,500 पेज की अपनी रिपोर्ट में तत्कालीन डीआईजी कानपुर अनंत देव तिवारी को इस गिरोह के साथ सांठगांठ के लिए दोषी ठहराया था, जिसके बाद तिवारी को निलंबित कर दिया गया था। कानपुर के इस प्रकरण में कुछ अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की कथित भूमिका का विवरण देते हुए 36 सिफारिशें कीं थीं।

ओडिशा के पुरी बीच पर रेत कलाकार सुदर्शन पट्टनिक ने राम नवमी के अवसर पर ÷यूज मास्क, स्टे सेफ÷ के रूप में रेत की मूर्ति बनाई।

हैदराबाद में रात के कर्फ्यू के दौरान ऐतिहासिक चर मीनार का एक दृश्य।

मुंबई में दहिसर टीकाकरण केंद्र पर कोविड-19 वैक्सीन से टीका लगवाने के लिए लोग अपनी बारी का इंतजार करते हुए।

एक नजर

ओडिशा में कहर बरपा रहा है कोरोना, 21 दिनों में 12 गुणा बढ़ा संक्रमण

भुवनेश्वर । ओडिशा में कोरोना काफी तेजी से कहर बरपा रहा है। बीते 21 दिनों के दौरान 12 गुणा कोरोना संक्रमण में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन इसके बावजूद राहत की खबर भी है। तेज संक्रमण के बीच मौत का आंकड़ा काफी नियंत्रित है। 21 दिनों में कुल 37 लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में आज 4851 नये कोरोना पाजिटिव पाये गये हैं और पांच लोगों की मौत हुई है।

आंकड़ों पर नजर डालते हैं तो दूसरी लहर में एक अप्रैल को एक दिन में कोरोना संक्रमण की संख्या 394 थी। यह आंकड़ा आज बढ़कर 4851 सर्वाधिक रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। दो अप्रैल को कोरोना संक्रमितों की संख्या 461 थी, जबकि तीन अप्रैल को 452, चार को 471, पांच अप्रैल को 573, छह अप्रैल को 588, सात को 791, आठ को 879, नौ को 1282, 10 अप्रैल को 1374, 11 अप्रैल को 1379, 12 अप्रैल को 1741 कोरोना संक्रमित पाये गये थे। इसी तरह से 13 अप्रैल को 1784, 14 अप्रैल को 2267, 15 अप्रैल को 2989, 16 अप्रैल को 3108, 17 अप्रैल को 3144, 18 अप्रैल को 3664, 19 अप्रैल को 4445, 20 अप्रैल को 4761 तथा 21 अप्रैल को 4851 कोरोना संक्रमितों की पुष्टि हुई। यह आंकड़ा पहली और दूसरी लहर में सर्वाधिक रिकार्ड पर है। अगर कोरोना से मौत के आंकड़े पर नजर डालते हैं तो अप्रैल महीने में चार अप्रैल को खुर्दा जिले में एक मौत हुई थी। इसके बाद सात अप्रैल को पुरी में एक व्यक्ति मौत हुई है। 10 अप्रैल को दो की मौत, 12 को दो, 14 को तीन, 15 को दो, 17 को चार सक्रमितों की मौत हुई है। इसके बाद 18 अप्रैल को दो, 19 को चार, 20 को पांच और 21 अप्रैल को पांच कोरोना रोगियों की मौत हुई है।

जनता की लापरवाही बड़ा कारण- राज्य के कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ और सरकारी एजेंसियां कोरोना मामलों में बढ़ोतरी के पीछे प्राथमिक कारण जनता की लापरवाही को मानते हैं। कुछ दिनों पहले हुए शुरू हुए टीकाकरण अभियान के बाद लोग कोरोना वायरस को लेकर लापरवाह दिख रहे हैं, जिससे पिछले साल की तुलना में कोरोना अधिक आक्रामक रूप से फैल रहा है।

कुंभ मेले से लौटे लोग फैला रहे हैं संक्रमण - इसके अलावा, पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश, मुंबई, दिल्ली तथा सूरत से प्रवासियों की वापसी, हरिद्वार से कुंभ मेले लौटने वाले लोग भी कोरोना को फैलाने वाले कारणों में शामिल हैं। अधिक मामले छत्तीसगढ़ से जुड़े भुवनेश्वर में इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज (आईएलएस) के निदेशक डॉ अजय परिडा ने कहा कि हम यहां जो संक्रमण देख रहे हैं, वह मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के संपर्कों से है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, केवल 4 फीसदी रोगियों में यूके कोरोनो वायरस का पता चला है।

पीडीपी महासचिव हंजूरा ने की मदनी-नईम अख्तर की रिहाई की मांग, कहा-जेलों में उनसे अमानवीय व्यवहार हो रहा

श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के महासचिव गुलाम नबी लोन हंजूरा ने जेल में बंद पीडीपी नेताओं व अन्य राजनीतिक कैदियों की तत्काल रिहाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि कैद किए गए पीडीपी नेताओं के साथ जेल में अमानवीय व्यवहार हो रहा है। गुलाम नबी लोन हंजूरा ने कहा कि पीडीपी के वरिष्ठ नेता सरताज मदनी और नईम अख्तर को अवैध रूप से जेल में बंद किया गया है। इसके बावजूद उन्हें जेल में जो मौलिक सुविधाएं व अधिकार मिलने चाहिए,उनसे भी उन्हें वंचित किया जा रहा है। पाक रमजान में भी उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। पीडीपी महासचिव ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भी इन दो बुजुर्ग नेताओं को उनकी बीमार अवस्था के बावजूद जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा कि इससे बड़ी विडम्बना और क्या होगी कि एक तरफ भारत सरकार अपने पड़ोसी मुल्कों के साथ अपने संबंध बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है,लेकिन दूसरी तरफ वह अपने ही नागरिकों के साथ एक अमानवीय दुश्मन का तरह व्यवहार कर रही है। भारत सरकार को जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक नेताओं के प्रति अपना दुराग्रहपूर्ण व्यवहार छोड़, जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में लिए गए अपने गलत फैसलों को भी सही करने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर सरकार यह कहती है कि जम्मू-कश्मीर में अब सब कुछ ठीक है तो फिर पीडीपी सहित अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं को हिरासत में क्यों रखा गया है। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को चाहिए कि वह जेलों में बंद सभी पीडीपी नेताओं व अन्य राजनीतिक कैदियों को तत्काल प्रभाव से रिहा करते हुए, जम्मू-कश्मीर में सुलह, शांति और विश्वास का माहौल बनाना चाहिए।

हिमाचल में वीकेंड पर बाजार बंद रहेंगे, बाहर से आने वालों के लिए भी निर्देश, आज से लागू होंगी ये पाबंदियां

शिमला । हिमाचल सरकार ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर तुरंत प्रभाव से नई पाबंदियां लगाने का निर्णय लिया है। शादी खुले में हो या हाल में, सिर्फ 50 लोग ही शामिल हो सकेंगे। अन्य सामाजिक और धार्मिक समारोहों में भी यही व्यवस्था रहेगी। अब सरकारी कार्यालय 50 फीसद उपस्थिति के साथ पांच दिन ही खुलेंगे। प्रदेश में निर्माण व औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले अन्य राज्य के श्रमिकों को सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। शिमला स्थित राज्य सचिवालय में मंगलवार को मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक में ये फैसले लिए गए।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश से अभी श्रमिक पलायन नहीं कर रहे हैं। प्रवासी श्रमिकों के मूल राज्यों में कोरोना संक्रमण की स्थिति हिमाचल की अपेक्षा अधिक खराब है। उन्होंने उद्योग प्रबंधकों व ठेकेदारों से आग्रह किया कि यदि कोई श्रमिक लौटने का विचार कर रहा है तो उसे रोकें। यदि श्रमिक संक्रमित आते हैं तो श्रमिकों को उनके कार्यस्थल के समीप स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। सरकार ने सरकारी कार्यक्रमों को टाल दिया है। हॉट स्पॉट राज्यों से आने वाले हिमाचलियों को चाहिए कि वे चलने से पहले स्वास्थ्य की जांच करवा कर आएं या फिर अपने घर-गांव पहुंचकर क्वारंटाइन हो जाएं, ताकि कोरोना संक्रमण की आशंका से बचा जा सके।

प्रदेशभर में शनिवार और रविवार को बाजार बंद- प्रदेशभर में अब शनिवार व रविवार को बाजार बंद रहेंगे। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में दवा, दूध व सब्जी की दुकानों, होटल, ढाबों और रेस्तरां पर यह आदेश लागू नहीं होंगे। अधिसूचना के मुताबिक सैलून बंद रहेंगे।राज्य सरकार ने 23 अप्रैल से मंदिरों सहित सभी धार्मिक स्थलों में आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी है, जबकि नियमित पूजा होती रहेगी। अधिसूचना के मुताबिक पहली मई तक शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे और शिक्षक भी स्कूल नहीं आएंगे। गैर शिक्षकों व संस्थानों के प्रमुख के संबंध में शिक्षा विभाग अलग से विस्तृत अधिसूचना जारी करेगा।

ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अलवर से जोधपुर लाया गया सोलह टन लिक्विड आक्सीजन टैंकर

जोधपुर । कोरोना के बढ़ते संक्रमण और अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी की खबरों के बीच जोधपुर में अलवर से लिक्विड ऑक्सीजन से भरा एक टैंकर लाया गया है। सोलह टन लिक्विड आक्सीजन भरे इस टैंकर को अलवर के भिवाड़ी से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जोधपुर पहुंचाया गया, जिसके कारण महज ग्यारह घंटे में ये 16 टन वजनी टैंकर जोधपुर पहुंच गया। इससे जोधपुर शहर के अस्पतालों में अब ऑक्सीजन की कमी नहीं रहेगी।

जोधपुर में कोरोना संक्रमण रोगियों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है। सभी अस्पताल अपनी पूरी क्षमता के साथ भरे हुए एमडीएम और महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती इन मरीजों की सांसों को बरकरार रखने के लिए बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन की खपत हो रही है। इधर ऑक्सीजन की खपत के साथ किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। वहीं उपलब्ध सिलेंडर में एयर प्रेशर लेवल भी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आया। ऑक्सीजन की कमी को महसूस कर प्रशासन ने इस संबंध में प्रयास किया। इसके बाद भिवाड़ी से 16 टन की लिक्विड ऑक्सीजन से भरे टैंकर को वहां से रवाना किया गया जो मंगलवार को जोधपुर पहुंच गया, जिससे सप्लाई भी प्रारंभ की गई है।

जिलों की पुलिस से मदद मांगी, बनाया गया ग्रीन कॉरिडोर- अलवर के भिवाड़ी से 16 टन लिक्विड ऑक्सीजन लेकर आए इस टैंकर को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर यहां तक लाया गया। जोधपुर में उपलब्ध ऑक्सीजन का भंडार तेजी से समाप्त होने की कगार पर पहुंच रहा था , इसको देख कर ये निर्णय लिया गया। ग्रीन कॉरिडोर की वजह से यह 20 के बजाय 11 घंटे में जोधपुर पहुंच गया।

इस टैंकर को कम से कम समय में जोधपुर लाने के लिए प्रशासन ने रास्ते में पड़ने वाले जिलों की पुलिस से मदद मांगी। पूरे मार्ग में पुलिस ने सहयोग प्रदान दिया। पुलिस एस्कोर्टिंग और रास्ते के चौराहों पर वाहनों को रोक ग्रीन कॉरिडोर बना टैंकर को तेजी के साथ आगे बढ़ाया। जिससे टैंकर अपने निर्धारित समय से काफी पहले जोधपुर पहुंच गया। ऑक्सीजन का पर्याप्त भंडार पहुंचने के साथ जिला व अस्पताल प्रशासन ने राहत महसूस की।

भामाशाह ने जनसेवार्थ 10 ऑक्सीजन जनरेटर मशीनें की ऑर्डर - जोधपुर के प्रतियोगी शिक्षण संस्थान उत्कर्ष और भारत विकास परिषद से जुड़े भामाशाह निर्मल गहलोत ने भी शहर में कोविड-19 मरीजों के ऑक्सीजन की कमी के मद्देनजर 10 ऑक्सीजन जनरेटर मशीनें उपलब्ध कराने के लिए पहल की है। निर्मल गहलोत के अनुसार आगामी 102 दिनों में मुंबई से यह 10 मशीनें जोधपुर आ जाएंगी जिन्हें की आवश्यक सेवाओं के तहत वृद्ध आश्रम और वैलनेस सेंटर को उपलब्ध करवाया जाएगा।

यह मशीन 5 लीटर प्रति घंटा की रफ्तार से ऑक्सीजन जनरेट करती है। कोरोना मरीज एवं श्वास से संबंधित अन्य मरीजों के लिए यह एक जीवनदायिनी मशीन है। इसका प्रयोग करने के दौरान अलग से ऑक्सीजन सिलेंडर आवश्यकता नहीं रहती है। यह मशीन कमरे की ही हवा में से ऑक्सीजन अलग करके मरीज को देती है। इन मशीनों के उपयोग से कोविड-19 संक्रमण झेल रहे अन्य बीमारियों से ग्रसित रोगियों को निश्चित तौर पर फायदा होगा।

कोरोना से बचने के सबक सिखा रहे हैं मराठवाड़ा के कुछ गांव, पूरे देश को दिखा रहे हैं राह

मुंबई । देश में कोविड-19 की शुरुआत के बाद से कोरोना के सक्रिय मामलों एवं इससे मरने वालों की संख्या, दोनों में महाराष्ट्र शीर्ष पर रहा है। महाराष्ट्र के कई छोटे जिले भी इससे कोरोना की गंभीरता से अछूते नहीं रहे हैं। लेकिन इस विपत्ति में भी मराठवाड़ा के कुछ गांव स्वनियंत्रण अपनाकर न सिर्फ महाराष्ट्र, बल्कि पूरे देश को राह दिखा रहे हैं।

राज्य में कोरोना की गंभीर स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अब तक यहां कोरोना के सक्रिय मामले 40 लाख के करीब पहुंच चुके हैं। इससे मरने वालों की संख्या 61 हजार पार कर चुकी है। इन परिस्थितियों पर नियंत्रण पाने के लिए राज्य की महाविकास आघाड़ी सरकार फिर से लाकडाउन लगाने पर बाध्य हो रही है। लेकिन इसी राज्य में मराठवाड़ा के कई गांव ऐसे हैं, जहां स्थानीय लोगों और ग्रामवासियों ने ही स्वनियंत्रण प्रणाली अपनाकर कोरोना को गांव से दूर रखने में सफल रहे हैं। इस सफलता में बड़ी भूमिका गांव के सरपंच, ग्राम सेवक, ग्रामवासी, खासतौर से गांव के युवक निभा रहे हैं। औरंगाबाद मराठवाड़ा के बड़े शहरों में गिना जाता है। वहां की स्थिति शुरू से विकट रही है। गांव और शहर मिलाकर इस जनपद में अब तक 1543 मौतें हो चुकी हैं। लेकिन इसी जनपद के 308 गांव ने स्थानीय स्तर पर सख्ती बरतकर कोरोना से बचने में कामयाब रहे हैं। फुलबी तालुका का डेढ़ हजार आबादी वाले वाहेगांव ने अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। यहां बिना मास्क लगाए कोई भी अपने घर से बाहर नहीं निकल सकता। गांव के सभी बुजुर्गों को वैक्सीन लगवाने का लक्ष्य भी यहां पूरा किया जा चुका है। इस सख्ती के कारण ही अब तक यह गांव कोरोना से अछूता रहा है।

804 में से 226 गांवों को कोरोना छू तक नहीं पाया - सरकारी रिकार्ड के मुताबिक परभणी जनपद की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं रही है। परभणी में अब तक कोरोना से 478 मौतें हो चुकी हैं। इसके बावजूद इस जनपद के 804 में से 226 गांवों को कोरोना छू तक नहीं पाया है। ऐसे ही एक गांव गोदावरी तांडा की महिला सरपंच सरूबाई चह्वाण बताती हैं कि बाहर से आने वाले किसी भी नागरिक को बिना जांच रिपोर्ट के गांव में प्रवेश नहीं दिया जाता। इसी प्रकार नांदेड़ जनपद के कणकवाडी गांव के युवकों ने गांव के प्रवेशद्वार पर बारी-बारी से अपनी ड्यूटी लगाकर किसी भी संदिग्ध संक्रमित के गांव में प्रवेश पर रोक लगा रखी है।

गुजरात में मुख्यमंत्री रुपाणी ने किया लॉकडाउन से इंकार, कर्फ्यू को लेकर कही ये बात

अहमदाबाद । गुजरात में कोरोना संक्रमण भले तेजी से फैल रहा हो लेकिन मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने दो टूक कहा है कि हाल प्रदेश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। रिलायंस समूह गुजरात को 400 टन ऑक्सीजन उपलब्ध करा रहा है साथ ही सरकार भी राज्य में ऑक्सीजन, रेमडेसीविर इंजेक्शन, एम्बुलेंस तथा पर्याप्त बेड की व्यवस्थाएं कर रही है।

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने दाहोद में एक उच्चस्तरीय बैठक कर कोरोना की ताजा स्थिति का जायजा लिया तथा राज्य में लॉकडाउन की किसी भी तरह की संभावनाओं को नकार दिया। रुपाणी ने कहा जब जरुरत होगी तब लॉकडाउन किया जाएगा हाल कर्फ्यू के समय में बढ़ोतरी करके हालात पर काबू पाया जा सकता है।

सरकार ने उच्च न्यायालय में 82 पेज का शपथपत्र पेश कर गत दिनों कोरोना पर अंकुश पाने के लिए किये गये उपायों की जानकारी अदालत को दी।

400 टन ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की मांग- सरकार 150 एम्बुलेंस खरीदेगी ताकि मरीजों को उसके लिए इंतजार नहीं करना पड़े। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावडा ने रिलायंस इंडस्ट्रीज को अपने जामनगर प्लांट से गुजरात को फ्री 400 टन ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की मांग की है। इसके जवाब में रिलायंस समूह के अध्यक्ष [कॉरपोरेट] धनराज नथवाणी ने कहा कि रिलायंस हर रोज 400 टन ऑक्सीजन उपलब्ध करा रहा है। रिलायंस जामनगर प्लांट से प्रतिदिन 400 टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है, यह गुजरात के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दर्शाता है। आपका पत्र राज्य के एक राजनीतिक नेता के रूप में जागरुकता की कमी को दर्शाता है।

एक माह में 30 बैंककर्मियों की कोरोना से मौत - महागुजरात बैंक कर्मचारी संघ ने कहा है कि बीते एक माह में राज्य में 30 बैंककर्मियों की कोरोना से मौत हुई है। राज्य में कोरोना की दूसरी लहर में 15 हजार बैंककर्मी संक्रमितहुए हैं इसलिए बैंक से नकदी निकालने, काम के समय में कमी करने के साथ अवकाश बढाए जाने चाहिए।

सूरत में अब रेमडेसीविर इंजेक्शन कलेक्टर कार्यालय के जरिए मिलेंगे। इंजेक्शन को लेकर अफरातफरी तथा कालाबाजारी को देखते हुए अस्पताल अथवा डॉक्टर जिला कलक्टर कार्यालय को मेल करेंगे तथा शाम को जरुरतमंदों को इंजेक्शन का वितरण किया जाएगा

शीना बोरा हत्या मामले की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी समेत बाइकुला जेल के 38 कैदी कोरोना पॉजिटिव

मुंबई । महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं, ताजा मिली जानकारी के अनुसार बाइकुला जेल में बंद शीना बोरा हत्या मामले की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी समेत जेल के 38 कैदी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।

महाराष्ट्र में लगातार टूट रहे हैं कोरोना के रिकॉर्ड - महाराष्ट्र में कोरोना के केस लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। 24 घंटों में यहां 68 हजार 631 नए मामले सामने आए हैं। महामारी के शुरू होने के बाद किसी राज्य में एक दिन में संक्रमण का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। नए मरीजों के मामले में महाराष्ट्र दुनिया में नंबर एक पर पहुंच चुका है। 24 घंटे में टॉप 3 में रहने वाले अमेरिका, ब्राजील और फ्रांस भी इससे पीछे हो चुके हैं।

यहां प्रत्येक घंटे में लगभग 2 हजार 859 लोग कोरोना संक्रमित हो रहे हैं और हर तीन मिनट पर एक मरीज की मौत हो रही है। राज्य में मृतकों की कुल संख्या भी 60 हजार के पार पहुंच चुकी है। बीते 24 घंटों में यहां 503 लोगों की मौत दर्ज की गई है। दुनिया के 209 देशों में से सबसे अधिक मौतें सिर्फ महाराष्ट्र में हुई हैं।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नुक्कड़ बैठक कर मांगे वोट

कोलकाता । केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोगों का अपमान कर रही हैं। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी अपमान किया है। अब बंगाल की जनता इस अपमान का बदला वोट की चोट से दे रही है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने मंगलवार को रासबिहारी, चौरंगी और जोड़ासांको विधानसभा क्षेत्र में नुक्कड़ बैठकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सोनार बांग्ला बनाना है तो सबको भाजपा के साथ पूरी ताकत के साथ खड़ा होने की आवश्यकता है।

शेखावत ने कहा कि पश्चिम बंगाल के साथ अन्याय करने में यहां की सरकार और तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। ममता सरकार ने तोलाबाजी और कटमनी को संरक्षण देकर भ्रष्टाचार का नंगा नाच किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरी प्रशासनिक व्यवस्था का राजनीतीकरण कर दिया गया, जिसके कारण बंगाल आज बर्बादी के कगार पर खड़ा है। इसके लिए ममता सरकार जिम्मेदार है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब जनता अपने एक-एक वोट से हर अन्याय का हिसाब ले रही है। पश्चिम बंगाल में बड़े स्तर पर परिवर्तन होने जा रहा है।

बंगाल में चुनावी माहौल के मुताबिक तृणमूल-भाजपा चतुराई से बदल रही अपनी-अपनी रणनीति

कोलकाता । बंगाल के महारण में एक तरफ तृणमूल कांग्रेस है तो दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी। चुनावी माहौल के मुताबिक दोनों पार्टियां अपनी-अपनी रणनीति चतुराई से बदल रही हैं। मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने बांग्ला निजेर मेयेके ई चाए थीम के साथ चुनाव प्रचार शुरू किया लेकिन अब बाकी तीन चरणों के मतदान से पहले कोरोना महामारी से निपटने में केंद्र की भाजपा सरकार की विफलता को मुद्दा बना रही हैं। उन्होंने बंगाल में कोरोना के बढ़े प्रकोप के लिए भाजपा द्वारा लाए गए बाहरी लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। दूसरी तरफ भाजपा, जो अब तक भ्रष्टाचार व कटमनी को हथियार बनाकर तृणमूल के खिलाफ चुनाव प्रचार कर रही थी, अब कोरोना के मसले पर अपने बचाव की कोशिश कर रही है। ममता ने बांग्ला निजेर मेयेके ई चाए थीम से बंगालियों से भावनात्मक तौर पर जुड़ने की कोशिश की लेकिन इससे उसके बंगाल में रह रहे गैर-बंगालियों से कट जाने का जोखिम भी है। कोलकाता की ही बात करें तो यहां हिंदी, मारवाड़ी, गुजराती, तमिल, मलयालम, उर्दू और यहां तक कि चीनी भाषियों की भी अच्छी-खासी आबादी है। बंगाल में करीब एक करोड़ हिंदीभाषी हैं। बंगाल की आबादी नौ करोड़ से अधिक है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ममता को उनके महिला समर्थक रूख का विधानसभा चुनाव में फायदा मिल सकता है। ममता महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। कई विधानसभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं ने बड़ी तादाद में मतदान किया है, जो ममता के पक्ष में जा सकता है। दूसरी तरफ भाजपा ने बंगाल में बड़े वोट बैंक माने जाने वाले मतुआ समुदाय को साधने की भरपूर कोशिश की है।

कुम्भ मेले से लौट रहे यात्रियों ने बढ़ाई प्रशासन की चिंता~ कटक में मिले 13 कोरोना पाजिटिव

भुवनेश्वर । कुम्भ मेला से लौटने वाले यात्रियों ने सरकार एवं प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। कुम्भ मेला से लौटने वाले 13 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आयी है। कटक रेलवे स्टेशन पर कुम्भ मेले से लौटने वाले 30 यात्रियों का आरटीपीसीआर टेस्ट किया गया था। इसमें से 13 लोग संक्रमित पाए गए हैं। सभी संक्रमित मरीजों को क्वारेनटाइन में रखे जाने की जानकारी कटक नगर निगम (सीएमसी) की तरफ से दी गई है।

कटक नगर निगम (सीएमसी) से मिली जानकारी के मुताबिक और दो ट्रेन से कुम्भमेला जाने वाले यात्री वापस आएंगे। उनका भी परीक्षण किया जाएगा इसके लिए स्टेशन में सीएमसी की तरफ से विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अलावा कटक रेलवे स्टेशन में जो लोग उतर रहे हैं, उन सभी का आरटीपीसीआर रिपोर्ट देखी जा रही है। 72 घंटे पहले की जिनके पास निगेटिव रिपोर्ट है, उन्हें ही स्टेशन के अन्दर जाने दिया जा रहा है। जिनके पास आरटीपीसीआर रिपोर्ट नहीं है, उनकी स्टेशन में ही आरटीपीसीआर एवं एंटीजेन टेस्ट किया जा रहा है।

यहां उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही पुरी में कुम्भमेला से लौटने वाले 22 लोगों में से 2 की रिपोर्ट निगेटिव आयी थी जबकि 13 लोगों की रिपोर्ट ही नहीं मिली थी। विशेष राहत आयुक् ने भी कुम्भ मेला से लौटने वालों के लिए विशेष गाइड लाइन जारी किया है। कुम्भ मेला से लौटने वाले व्यक्ति को 14 दिन तक अनिवार्य क्वारेटनटाइन में रहने का निर्देश जारी किया हुआ है। ये लोग अपने घर में या फिर क्वारनटाइन केन्द्र में रह सकेंगे। इसके लिए सभी जिलाधीश एवं म्यूंसीपाल्टी कमिश्नर को विशेष राहत आयुक्त ने निर्देश जारी किया हुआ है।

महाराष्ट्र में लग सकता है संपूर्ण लॉकडाउन! सभी मंत्रियों ने की ये अपील

मुंबई । महाराष्ट्र में 15 दिन के संपूर्ण लाकडाउन की घोषणा हो सकती है। मंगलवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लगभग सभी मंत्रियों ने महाराष्ट्र में कोरोना की बिगड़ती स्थिति को सुधारने के लिए यह मांग की। बुधवार को मुख्यमंत्री इसकी घोषणा कर सकते हैं। यह लाकडाउन पिछले वर्ष चले लंबे लाकडाउन जैसा ही होगा। महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि स्थिति गंभीर है। हम कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। सभी मंत्री संपूर्ण लाकडाउन के पक्ष में थे। इस संबंध में अंतिम फैसला मुख्यमंत्री लेंगे।

मंत्रियों का मानना है कि यह उपाय अपनाकर ही कोरोना की चेन को तोड़ा जा सकेगा। महाराष्ट्र सरकार ने करीब 15 दिन पहले सख्त पाबंदियों एवं वीकेंड लाकडाउन का रास्ता अपनाया था। लेकिन उसका कोई लाभ होता दिखाई नहीं दे रहा है। बिना किसी ठोस कारण के सड़कों पर नागरिकों का निकलना जारी है। इसलिए, प्रशासन को संपूर्ण लाकडाउन के सिवाय दूसरा चारा दिखाई नहीं दे रहा है। इस लाकडाउन के दौरान निजी कार्यालर्यो को पूर्ण रूप से बंद रखने के निर्देश दिए जाएंगे एवं सरकारी कार्यालय 50 फीसद क्षमता के साथ कार्य करते रह सकते हैं।

निजी कार्यालयों को वर्क फ्राम होम पर ही जोर देने को कहा गया है। बसों एवं ट्रेनों को पूरी तरह से बंद करने से समस्या पैदा हो सकती हैं। इसलिए, इन्हें किस तरह उपयोग में लाया जाए, अभी इस पर विचार किया जा रहा है। सरकार जिलाबंदी लागू करने पर भी विचार कर रही है। यानी जिले से बाहर जाने के लिए अनुमति लेनी होगी।

संपूर्ण लॉकडाउन की ओर महाराष्ट्र

उधर, महाराष्ट्र सरकार में मंत्री असलम शेख ने कहा कि मेडिकल और ऑक्सीजन की सप्लाई की कमी को देखते हुए महाराष्ट्र पूर्ण लॉकडाउन की ओर बढ़ रहा है। इसके बारे में गाइडलाइंस जल्द ही घोषित किए जाएंगे।

वरुण धवन ने मासूम सी बच्ची के साथ किया ऐसा मजाक

कृति सैनन

नहीं कर पाई यकीन

बालीवुड एक्ट्रेस कृति सैनन (Kriti Sanon) और वरुण धवन (Varun Dhawan) आने वाली फिल्म 'भेड़िया' की शूटिंग में बिजी हैं. शूट के सेट से कई तस्वीरें और वीडियोज ये दोनों सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं. हाल ही में कृति और वरुण ने एक वीडियो शेयर किया, जिसे देख लोगों की हंसी नहीं रुक रही है.

कृति ने शेयर किया वीडियो

कृति सेनन (Kriti Sanon) ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वरुण धवन (Varun Dhawan) केक काटते नजर आ रहे हैं. वहीं बराबर में एक शख्स और खड़ा है, जिसने छोटी सी बच्ची को पकड़ा हुआ है. केक काटने के बाद वरुण आदमी को खिला देते हैं, जबकि छोटी बच्ची का मुंह खुला का खुला रह जाता है. वह बच्ची केक को देखती रह जाती है.

केक काटते नजर आए वरुण

इस वीडियो को कृति (Kriti Sanon Instagram) ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. वीडियो शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, इससे शायद आपका दिन बन जाए. हम सभी कभी न कभी उस बच्ची की जगह रह चुके हैं. नहीं रहे क्या ?' इतना ही नहीं, उन्होंने वरुण धवन को टैग करके लिखा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि उन्होंने बच्ची के साथ ऐसा किया.

वायरल हुआ वीडियो

सोशल मीडिया पर यह मजेदार पोस्ट खूब वायरल हो रहा है. फैंस अलग-अलग कमेंट कर रहे है और दिल खोलकर वीडियो को पसंद कर रहे हैं. कृति के इस वीडियो को लाखों व्यूज मिल चुके हैं.

कंगना रनौत

ने दिल्ली के सीएम पर कसा तंज, बोलीं- रायता फैलाकर आई मोदी जी की याद

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत (Kangana Ranaut) सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी राय रखती हैं. कभी-कभार तो वो इसी माध्यम से लोगों को खरी-खोटी भी सुना देती हैं. इस बार कंगना के निशाने पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आए हैं.

दिल्ली सीएम पर साधा निशाना

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (Arvind Kejriwal) ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखकर उनसे दिल्ली में ऑक्सीजन के बेड बढ़ाने की मांग की है और साथ ही ऑक्सीजन की सप्लाई बढ़ाने की अपील की है. जिस पर कंगना ने उन्हें खरी-खोटी सुना दी है. कंगना ने ट्वीट किया- बचाओ बचाओ बचाओ. मोदी जी बचाओ.

हमने जितना रायता फैलाना था फैला दिया है. अब आप इसे साफ करो. ये रहा रायता और ये आपकी दिल्ली, संभालो. हा हा, घुमा फिरा के बोलने से सिर्फ बात बदल सकती है उसका मतलब नहीं.

अरविंद केजरीवाल ने मांगी थी मदद

आपको बता दें, मुख्यमंत्रीअरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (PM Narendra Modi) को चिट्ठी में लिखा, दिल्ली में कोरोना की स्थिति बेहद गंभीर है.

कोरोना बेड्स और ऑक्सीन की भारी कमी है. वहीं लगभग सभी ब्रुष्ट बेड्स भर गए हैं. इसकी जानकारी हमनें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन और गृह मंत्री अमित शाह को भी दी है. हमें आपकी मदद की जरुरत है. इसके अलावा भी केजरीवाल ने चिट्ठी में आगे डाटा बताया है.

कंगना की फिल्में

बात कंगना रनौत के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की करें तो अभिनेत्री के खाते में थलाइवी के साथ ही तेजस और धाकड़ भी शुमार है. याद दिला दें कि कंगना की फिल्म थलाइवी की रिलीज डेट कोविड की वजह से टल गई है. तीनों ही फिल्म से कंगना के लुक सोशल मीडिया पर सामने आ चुके हैं.

जाह्नवी कपूर ने दोस्त संग बोल्ड अंदाज में की मस्ती, वैकेशन Photos में दिखा अलग अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों वैकेशन मूड में नजर आ रही हैं। वो मालदीव में शानदार वैकेशन मना रही हैं। वहीं इस दौरान वो सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव बनी हुई हैं। जाह्नवी अपने फैंस के साथ बेहद शानदार वैकेशन फोटोज साझा करती दिखाई दे रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी दोस्त के साथ कुछ मस्ती भरी तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वो बोल्ड अवतार में दिखाई दे रही हैं। जाह्नवी की ये लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती नजर आ रही हैं।

दिखा पॉनीटेल वाला लुक

जाह्नवी कपूर अपने दोस्तों के साथ वैकेशन पर निकली हैं। वहीं उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर मालदीव वैकेशन से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में वो अपनी एक दोस्त के साथ मस्ती करती और धूप सेंकती दिखाई दे रही हैं। लेटेस्ट फोटोज में जाह्नवी का बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। उन्होंने व्हाइट रंग का क्रॉप टॉप और हॉट पैंट्स पहन रखा है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को एक पॉनीटेल में बांधा हुआ है।

अलग अंदाज ने खींचा ध्यान

जाह्नवी अपनी वैकेशन के दौरान सोशल मीडिया पर लगातार तस्वीरें शेयर कर रही हैं। इससे पहले वो फैंस को सिल्वर स्विमसूट और फ्लॉरल बिकिनी फोटोज शेयर कर सरप्राइज दे चुकी हैं। वहीं अब उन्होंने अपनी दोस्त संग मस्ती की फोटो शेयर की है। इस वैकेशन फोटोज में जाह्नवी कपूर का अगल अंदाज देखने को मिल रहा है। उन्होंने बिकिनी में नहीं बल्कि क्रॉप टॉप में ट्रेंडी लुक फ्लॉन्ट किया है। जो फैंस को खूब पसंद आ रहा है। इसके अलावा उनकी मुस्कान भी फैंस का दिल जीत रही है।

दोस्तों संग फन टाइम

इससे पहले जाह्नवी ने अपने दोस्तों संग फन टाइम का एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें वैकेशन पर आए उनके सभी दोस्त अजीबो-गरीब अंदाज में डांस करते नजर आ रहे थे। इस वीडियो में जाह्नवी स्वेटशर्ट में बेहद क्यूट दिखी थीं।

निक्की तंबोली के बोल्ड अंदाज पर फिदा हुए फैन्स, तारीफों की लग गई कतार

अभिनेत्री निक्की तंबोली (Nikki Tamboli) के फोटोज और वीडियोज को सोशल मीडिया यूजर्स काफी पसंद करते हैं। निक्की अक्सर अपने क्यूट अंदाज और बोल्ड अवतार से फैन्स का दिल जीत लेती हैं। ऐसे में एक बार फिर निक्की ने दो तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें वो काफी हॉट दिख रही हैं।

वायरल हो रही फोटो

निक्की तंबोली ने ब्लैक ड्रेस में अपनी दो तस्वीरें शेयर कीं। शॉर्ट और ट्रांसलूसेंट होने के चलते निक्की फोटोज में काफी हॉट लगी रही हैं। निक्की के फोटोज पर करीब सवा 2 लाख लाइक्स आ चुके हैं। वहीं हजारों फैन्स अभी तक फोटोज पर कमेंट कर चुके हैं। निक्की ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- हैप्पी संडे।

ट्रोल भी हुईं निक्की

एक ओर जहां निक्की की तस्वीरों को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं तो वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें ट्रोल करने की भी कोशिश कर रहे हैं। ऐसे ही एक यूजर ने लिखा- तुम खूबसूरत हो, तुम्हें दिखावे की जरूरत नहीं। इसके अलावा भी कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग अलग कमेंट्स किए हैं।

जान के साथ रिलेशन पर कही थी ये बात

याद दिला दें कि बिग बॉस 14 में निक्की और जान कुमार सानू की केमिस्ट्री को फैन्स ने काफी पसंद किया था। वहीं जब दोनों के रिलेशनशिप की खबरें उड़ीं तो निक्की ने साफ कर दिया कि वो और जान सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। निक्की ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में कहा है था, 'जान और वह अच्छे दोस्त हैं। वह बहुत स्वीट है लेकिन वो मेरे टाइप का नहीं है।

राजस्थान रॉयल्स को झटका, आईपीएल 2021 छोड़कार स्वदेश लौटे लियाम लिविंगस्टोन, बायो बबल है वजह

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के क्रिकेटर लियाम लिविंगस्टोन बायो बबल में रहने की थकान के कारण आइपीएल 2021 से हट गए और स्वदेश लौट गए हैं। वह स्वदेश लौटे। राजस्थान रॉयल्स ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी और कहा कि हम लिविंगस्टोन की समस्या को समझते और उनके फैसले का सम्मान करते हैं। बता दें राजस्थान के लिए लिविंगस्टोन का स्वदेश लौटना बहुत बड़ा झटका है। पिछले हफ्ते ऑलराउंडर बेन स्टोक्स चोटिल हो कर आइपीएल 2021 से बाहर हो गए थे। वह तीन महीने तक मैदान पर दिखाई नहीं देंगे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (श्वष्टक्च) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की हैं। बोर्ड ने यह भी बताया कि 15 अप्रैल को एक फिर से हुए एक्स-रे और सीटी स्कैन से पता चला है कि स्टोक्स की बायीं तर्जनी उंगली में फ्रैक्चर है।

इंग्लैंड के ऑलराउंडर को सोमवार को पंजाब किंग्स (क्क्चयस्) के खिलाफ मैच के दौरान चोट लग गई थी। पंजाब की पारी के दौरान जब स्टोक्स बल्लेबाज क्रिस गेल का कैच लेने चक्कर में चोटिल हो गए। वह काफी दर्द में थे और इसके बाद भी बल्लेबाजी करने आए। इस मैच में संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम चार रन से हार गई। वहीं तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी चोटिल हैं। वह आइपीएल से पहले भारत के खिलाफ सीरीज में चोटिल हो गए थे। इस वजह से वह टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पा रहे हैं। जानकारी के अनुसार उनके हाथ की सर्जरी हो गई है और उन्होंने ट्रेंनिंग भी शुरू कर दी है। राजस्थान की टीम अंक तालिका में छठे नंबर पर है। वह तीन में से दो मैच हारी है और एक जीती है। पिछले मैच में उसे चेन्नई के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उसे अगला मैच 24 अप्रैल को कोलकाता से खेलना है।

रोहित शर्मा को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ स्लो ओवर रेट के लिए किया गया फाइन, देनी होगी इतनी रकम

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 के लीग मैच में मुंबई इंडियंस की टीम को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 6 विकेट से हार मिली। मुंबई की टीम ने इस लीग में अब तक कुल 4 मैच खेले हैं जिसमें उसे दो में जीत तो दो में ही हार मिली है। दिल्ली की टीम के खिलाफ मुंबई इंडियंस ज्यादा बड़ा स्कोर नहीं कर पाई थी और ये टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन ही बना पाई। इस स्कोर को दिल्ली की टीम ने बड़े आराम से चेज कर लिया और मैच में जीत दर्ज कर ली। मुंबई को इस मैच में हार तो मिली ही साथ ही साथ टीम के कप्तान रोहित शर्मा को स्लो ओवर रेट के लिए फाइन भी कर दिया गया। मुंबई की टीम तय समय सीमा के अंदर पूरे ओवर नहीं फेंक पाई और इसकी वजह से ही उन्हें फाइन किया गया। इस सीजन में मुंबई इंडियंस की तरफ से की गई ये पहली गलती रही और उन्हें आइपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत स्लो ओवर रेट का दोषी पाया गया और रोहित शर्मा पर 12 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया।

आइपीएल के नियम के मुताबिक अगर कोई कप्तान पहली बार ऐसी गलती करता है तो उस पर 12 लाख का जुर्माना लगाया जाता है, जबकि एक ही सीजन में दूसरी बार ऐसी गलती करने पर कप्तान पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगता है साथ ही साथ प्लेइंग इलेवन में शामिल खिलाड़ियों पर मैच फीस का 25 फीसदी या फिर 6 लाख का जुर्माना (दोनों में से जो कम हो) लग सकता है। वहीं एक ही सीजन में अगर तीसरी बार ऐसी लगती होती है तो फिर कप्तान पर 30 लाख रुपये का जुर्मामा और एक मैच का बैन लग सकता है जबकि प्लेइंग इलेवन में शामिल खिलाड़ियों पर 12 लाख रुपये का जुर्माना या मैच फीस का 50 फीसदी फाइन (दोनों में से जो कम हो) लग सकता है। इस मैच में मिली हार के बाद रोहित शर्मा ने कहा कि, हमें अच्छी शुरुआत मिली थी और मध्य में हमें और अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। हम अपनी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और एक बल्लेबाजी यूनिट के तौर पर हमें इस बात को समझने की जरूरत है।

विराट कोहली के इस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने पर होंगी पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम की निगाहें

हरारे। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम के पास भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली का एक विश्व रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। जिम्बाब्वे के खिलाफ जब बाबर आजम तीन मैचों की टी20 सीरीज में उतरेंगे तो उनकी निगाहें भारतीय कप्तान विराट कोहली के टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बनाए गए सबसे तेज 2000 रन वाले रिकॉर्ड को तोड़ने पर टिकी होंगी। हाल ही में भारतीय कप्तान विराट कोहली को पछाड़कर आइसीसी वनडे रैकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज बने बाबर आजम को टी20 इंटरनेशनल में 2000 रन पूरे करने के लिए 60 रनों की जरूरत है। कोहली ने 56 पारी में इस उपलब्धि को हासिल किया थी, जबकि बाबर ने अब तक 49 पारियों में 1940 रन बनाए हैं और उनकी निगाहें बुधवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ सबसे तेज 2000 रन पूरे करने पर टिकी होंगी।बाबर आजम ने गत 14 अप्रैल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में अपने करियर का पहला शतक जड़ा था। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की टी20 सीरीज 210 रन बनाए थे और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। बाबर की कप्तानी में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की सीरीज 3-1 जीती थी। इससे पहले वनडे सीरीज में भी पाकिस्तान की टीम को 2-1 से जीत मिली थी। उस सीरीज में भी बाबर का बल्ला चला था।

एमएस धोनी के माता-पिता पॉजिटिव: दोनों को रांची के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया

● डॉक्टर्स बोले- दोनों की सेहत ठीक है

रांची। टरनेशनल क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के पिता पान सिंह धोनी और माता देवकी देवी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। दोनों को रांची के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर्स के मुताबिक, दोनों की स्थिति अभी ठीक है। उनका ऑक्सीजन लेवल भी अभी सामान्य है। छ्ल्ल स्कैन कराया गया है, जिससे मालूम चलता है कि अभी संक्रमण फेफड़ों तक नहीं पहुंचा है।

सचिन तेंदुलकर भी हुए संक्रमित

मार्च में रायपुर में हुई रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में खेलने वाले सचिन तेंदुलकर कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। सचिन के अलावा इरफान पठान, उनके भाई यूसुफ पठान और सुब्रमण्यम बद्रीनाथ भी संक्रमित हो चुके हैं।

IPL भी कोरोना की चपेट में, अब तक 5 संक्रमित हुए

IPL के 14वें सीजन शुरू होने से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज नीतीश राणा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल, डेनियल सैम्स और दिल्ली कैपिटल्स के अक्षर पटेल और दिल्ली कैपिटल्स के बॉलर एनरिक नॉर्खिया कोरोना संक्रमित हो गए भी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। हालांकि सभी खिलाड़ी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद टीम के साथ जुड़ चुके हैं। जिस वानखेड़े स्टेडियम में IPL के 10 मैच होने हैं, वहां के 16 कर्मचारी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, मुंबई इंडियंस के कंसलटेंट किरण मोरे भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

झारखंड में एक दिन में मिले करीब 5 हजार मरीज

झारखंड में मंगलवार को 4969 नए संक्रमित मरीज मिले हैं। इसके साथ ही राज्य में कोविड-19 पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 172315 हो गई है। अब तक 1547 लोगों की मौत हो चुकी है। झारखंड में कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सूबे में 22 अप्रैल की सुबह 6:00 बजे से 29 अप्रैल की सुबह 6:00 बजे तक स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह की घोषणा की है। इस दौरान लॉकडाउन के नियमों का भी लोगों को पालन करना होगा।

दिल्ली की मुंबई पर जीत

ऋषभ बोले- शुरू में हम दबाव में थे, लेकिन अमित मिश्रा ने गेम में वापसी कराई; रोहित ने कहा- मिडिल ओवर में खराब बल्लेबाजी से हारे

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स ने IPL2021 सीजन के 13वें मैच में मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से शिकस्त दी। दिल्ली की यह लगातार दूसरी जीत है। दिल्ली की जीत के कप्तान ऋषभपंत ने कहा कि शुरुआत में थोड़ा दबाव में आ गए थे, लेकिन मिशी भाई (अमित मिश्रा) ने हमें गेम में वापसी कराई। हम मुंबई को योजना के मुताबिक 140-150 रन के अंदर रोकने में सफल हुए। मुंबई ने 9 विकेट के नुकसान पर 137 रन बनाए थे।

अमित मिश्रा ने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा आवेश खान ने 15 रन देकर 2 विकेट, मार्कस स्टोइनिस ने 21 रन देकर 1 विकेट, कगिसो रबाडा ने 25 रन देकर 1 विकेट और ललित यादव ने 17 रन देकर 1 विकेट लिया।

पंत ने ललित यादव की तारीफ की

पंत ने ललित यादव की भी तारीफ करते हुए कहा कि वो एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। हम उन्हें और निखारना चाहते हैं। वो इस तरह कि पिचों पर काफ़ी बेहतरीन गेंदबाजी कर सकते हैं। हमने सीखा है कि आप अपने विकेट को बचाए रखेंगे तो लक्ष्य को आराम से हासिल कर सकते हैं। ललित यादव ने मुंबई के खिलाफ 4 ओवर में 17 रन देकर 1 विकेट लिए। वहीं 25 गेंदों पर नाबाद 22 रन की पारी खेली। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों को जीत का श्रेय देते हुए कहा कि दिल्ली के गेंदबाजों ने बेहतर गेंदबाजी की। उन्होंने हमारे ऊपर दबाव बनाए रखा। दूसरी ओर हम अच्छी शुरुआत के बाद बीच के ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी नहीं कर पाए। हमारे मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों को बेहतर बल्लेबाजी करने की जरूरत है।

अमित मिश्रा ने पांचवीं बार 4 या उससे अधिक विकेट लिए: अमित मिश्रा ने मुंबई के खिलाफ 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए। वे IPL में पांचवी बार 4 या उससे अधिक विकेट लेने में सफल हुए। उनके अलावा रविंद्र जडेजा और लक्ष्मीपति बालाजी ने 4-4 बार ऐसा किया है।

सुपरफिट माही: 39 की उम्र में 21 साल के लड़कों को दे रहे टक्कर, अनफिट कहलाने से कोफ्त

रांची। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को नहीं पसंद की कोई भी उन्हें अनफिट कहे। राजस्थान के साथ हुए मुकाबले के बाद धोनी ने कहा कि, टीम में मौजूद युवा खिलाड़ीयों के साथ फिटनेस का मुकाबला करना मुश्किल की बात है। परंतु यह एक सकारात्मक बात होगी एक 39 वर्षीय खिलाड़ी के लिए कि उसपर फिटनेस को लेकर कोई सवाल न उठाए। धोनी ने कहा कि, उम्र बढ़ने के साथ-साथ खुद को पहले की तरह फिट रख पाना काफी मुश्किल होता है। धोनी ने पिछले वर्ष ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लिया है। सोमवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान के साथ हुए मुकाबले में चेन्नई ने राजस्थान को 45 रनों से मात दी। मुकाबले के बाद बात करते हुए माही ने कहा कि, जब आप खेल रहे होते है तब आप नहीं चाहते कि कोई भी आपको अनफिट कहे। मैं जब खेलता हूं तब खुद को युवा खिलाड़ीयों के जितना फिट रखने की कोशिश करता हूं।

यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप

आठ बॉक्सर फाइनल में पहुंचे; तीन ने ब्रॉन्ज मेडल जीते

पोलैंड। पोलैंड में चल रही यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में आठ भारतीय बॉक्सर फाइनल में पहुंच गए हैं। इसके अलावा तीन बॉक्सरों ने ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। पहली बार भारत सबसे ज्यादा मेडल जीतने में सफल होगा। इससे पहले 2018 में भारत ने हंगरी में हुई वर्ल्ड चैम्पियनशिप में 10 मेडल जीते थे।

7 महिला बॉक्सर फाइनल में: फाइनल में पहुंचने वाले आठ बॉक्सरों में से 7 महिलाएं हैं। इनमें 48 किलो वेट में गीतिका, 51 किलो वेट में बेबीरोजिसाना चानू , 60 किलो वेट में विंका, 69 किलो वेट में अरुंधति चौधरी, 57किलो वेट में पूनम, 75 किलो वेट सनमाचू चानू और 81 किलो से उपर वेट में अल्फिया पठान शामिल हैं। जबकि पुरुषों में केवल 56 किलो वेट में सचिन ही फाइनल में पहुंचे हैं।

गीतिका फाइनल में पोलैंड की नतालिया डोमिनिका से भिड़ेंगी

गीतिका ने सेमीफाइनल में इटली की एरिका प्रिस्कियनडारों को 5-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वह फाइनल में पोलैंड की नतालिया डोमिनिका से भिड़ेंगी। वहीं विंका ने चेक गणराज्य की वेरोनिका गजदोवा से 4-1 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में वे

कजाकिस्तान की झुलडीज शायखामेतोवा से भिड़ेंगी। वहीं अरुंधति ने उज्बेकिस्तान की खादीचोबोनू अब्दुल्लाएवा को 5-0 से हराया। फाइनल में उनका मुकाबला पोलैंड की बारबरा मार्किन्कोव्स्की के साथ होगा। जबकि एशियन चैम्पियन बेबीरोजिसाना चानू ने इटली की एलेन अयारी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में उनका मुकाबला रूस की वेलेरिया लिंकोवा के साथ है। वहीं पूनम ने उज्बेकिस्तान की सिटोरा को 5-0 से हराया। उनका अगला मुकाबला फ्रांस की स्टेलिन ग्रॉसी के साथ है। 75 किलो वेट में सनमाचू चानू ने पोलैंड की डारिया परादा से 4-1 से जीत हासिल की। जबकि 81 किलो से ऊपर के वेट में अल्फिया ने पोलैंड के ओलिविया टोबोरेक को 3-2 से हराया।

बार्सिलोना का कोपा डेल रे कप

मेसी के डबल से एथलेटिक बिलबाओ को फाइनल में दी 4-0 से मात

रोम। स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी के दो गोलों की मदद से बार्सिलोना ने फाइनल में एथलेटिक बिलबाओ को 4-0 से हराकर कोपा डेल रे टूर्नामेंट का खिताब हासिल किया। मेसी ने जीत के बाद मंच पर चढ़कर ट्रॉफी अपने सिर से ऊपर उठाई और फिर नीचे खड़े साथी खिलाड़ियों को सौंप दी। स्पेन के किंग फेलिपे छह से ट्रॉफी हासिल करने के बाद मेसी ने हालांकि अपने भविष्य के बारे में कुछ बात नहीं की। कोरोना वायरस के कारण लगी पाबंदियों के कारण दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं थी जहां स्पेनिश प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। बार्सिलोना के लिए सभी गोल 60वें से 72वें मिनट के अंदर हुए। मेसी ने 68वें और 72वें मिनट में दो गोल किए जबकि एंटोइन ग्रिजमैन ने 60वें और फ्रेंकी डि जोन ने 63वें मिनट में अन्य गोल दागे। नए कोच रोनाल्ड कोईमैन के मार्गनिर्देशन में यह पहली ट्रॉफी है।

बार्सिलोना को उम्मीद, मेसी क्लब नहीं छोड़ेंगे: बार्सिलोना की यह रिकॉर्ड 31वीं कोपा डेल रे ट्रॉफी हैं जो मेसी और बार्सिलोना के बीच महत्वपूर्ण समय पर मिली है। मेसी ने अभी बार्सिलोना में बने रहने की अपनी योजना के बारे में कुछ खुलासा नहीं किया है। वह पिछले सीजन में क्लब छोड़ने की इच्छा जता चुके हैं। क्लब के नए अध्यक्ष जोएन लापार्टो को उम्मीद है कि मेसी बार्सिलोना में बने रहेंगे। यह 2019 में स्पेनिश लीग के बाद बार्सिलोना की पहली ट्रॉफी है।

37वें खिताब के साथ इनिस्ता की बराबरी: मेसी ने दिखाया कि 33 साल की उम्र में भी वह किसी फाइनल मुकाबले में अपना दबदबा बना सकते हैं। यह उनके करियर का कुल 37वां खिताब है, जिसमें दस ला लीगा और सात कोपा डेल रे शामिल हैं। इसके साथ ही मेसी ने स्पेन के आंद्रियास इनिस्ता (37) और मैक्सवेल (37)की बराबरी कर ली है। सर्वाधिक खिताब का रिकॉर्ड ब्राजील के दानी एल्वेस

(42खिताब) के नाम है जिससे मेसी अब पांच खिताब दूर रह गए हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के खाते में 33 हैं।

यह ट्रॉफी मेरे लिए काफी विशेष है। यह अच्छा नहीं लग रहा कि हम इसका जश्न अपने परिवार और दर्शकों के साथ नहीं मना सकते, लेकिन हमें इस स्थिति को स्वीकार करना होगा।

लियोनल मेसी

लियो दुनिया के श्रेष्ठ फुटबॉलर हैं। उनकी हमारे क्लब में जड़ें काफी गहरी हैं। मुझे यकीन है कि वह क्लब में बने रहना चाहते हैं।

जोएन लापार्टो, अध्यक्ष

मेसी तो जन्मजात विजेता हैं। मुझे उम्मीद है कि यह बार्सिलोना के लिए उनका अंतिम कोपा डेल रे नहीं है।

रोनाल्डो कोइमैन

ऑरेंज कैप व पर्पल कैप पर भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा, टॉप पांच बल्लेबाज और गेंदबाजों में सिर्फ एक-एक विदेशी

नई दिल्ली। आइपीएल 2021 में अब तक 12 मैच हो चुके हैं और ऑरेंज कैप और पर्पल कैप को लेकर जंग जारी है। दोनों पर भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा है। ऑरेंज कैप जहां दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर शिखर धवन के पास है। वहीं पर्पल कैप रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हर्षल पटेल के पास है। ऑरेंज कैप की रेस में टॉप पांच बल्लेबाजों में केवल एक विदेशी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल हैं। वहीं पर्पल कैप की बात करें तो इसमें भी भारतीय खिलाड़ियों का ही दबदबा दिख रहा है। टॉप पांच में चार भारतीय गेंदबाज हैं। इनमें से तीन अनकैप्ड हैं।

हर्षल पटेल, आवेश खान और चेतन सकारिया ने अभी तक टीम इंडिया के लिए किसी भी फॉर्मेट में नहीं खेले हैं। वहीं राहुल चाहर, भारत के लिए तीन टी-20 मैच खेल चुके हैं। बता दें कि आइपीएल शुरू होते ही खिलाड़ियों के बीच ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस शुरू हो जाती है।

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने बल्लेबाज को ऑरेंज कैप और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज को पर्पल कैप मिलता है।

ऑरेंज कैप (टॉप पांच बल्लेबाज)

1 शिखर धवन चार मैचों में 57.75 की औसत से 231 रन। दो फिफ्टी।

2 ग्लेन मैक्सवेल तीन मैचों में 58.66 की औसत से 176 रन। दो फिफ्टी।

3 केएल राहुल तीन मैचों में 52.33 की औसत से 157 रन। दो फिफ्टी।

4 नीतीश राणा तीन मैचों में 51.66 की औसत से 155 रन। दो फिफ्टी।

5 रोहित शर्मा चार मैचों में 34.50 की औसत से 138 रन। अभी एक भी फिफ्टी नहीं लगाए हैं।

पर्पल कैप (टॉप पांच गेंदबाज)

1 हर्षल पटेल तीन मैच में 5.75 की इकोनॉमी से 9 विकेट।

2 आवेश खान चार मैचों में 7.35 की इकोनॉमी से 8 विकेट।

3 राहुल चाहर चार मैचों में 7.37 की इकोनॉमी से 6 विकेट।

4 ट्रेंट बोल्ट चार मैचों में 7.27 की इकोनॉमी से 6 विकेट।

5 चेतन सकारिया चार मैचों में 8.33 की इकोनॉमी से 6 विकेट।

अमित मिश्रा आईपीएल में ऐसा करने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने, रवींद्र जडेजा का तोड़ दिया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आइपीएल 2021 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की टीम को जो जीत मिली उसमें टीम के सीनियर स्पिनर अमित मिश्रा का रोल सबसे महत्वपूर्ण रहा। अमित मिश्रा ने पहली पारी में मुंबई के खिलाफ घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए और रोहित शर्मा की टीम को 137 रन पर रोकने में रिषभ पंत की टीम सफल रही। अमित मिश्रा को उनके इस प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच भी चुना गया। अमित मिश्रा को मुंबई के खिलाफ उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए 12वीं बार मैन ऑफ द मैच का खिताब मिला। वो इस लीग में सबसे ज्यादा बार ये खिताब जीतने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। अमित मिश्रा के बाद आइपीएल में सबसे ज्यादा बार मैन ऑफ द मैच का खिताब जीतने के मामले में दूसरे नंबर पर अब तक हरभजन सिंह हैं।

12- अमित मिश्रा
08- हरभजन सिंह
008- राशिद खान
08- उमेश यादव

अमित मिश्रा ने मुंबई के खिलाफ चार विकेट लिए और उन्होंने आइपीएल में किसी मैच में चार विकेट लेने का कमाल पांचवीं बार किया। इसके साथ ही वो इस लीग में सबसे ज्यादा बार किसी एक मैच में चार लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए।